RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 113 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 17-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वीरांगना ऊदा देवी हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी आदित्यनाथ

6 एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

7 तीनों सेनाओं की सर्वोम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा : सीडीएस

फर्स्ट टेक

जॉर्डन के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान प्रतिबद्ध : मुनीर

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर ने रविवार को कहा कि उनका देश जॉर्डन के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय के साथ बातचीत के दौरान मुनीर ने यह टिप्पणी की। अब्दुल्ला द्वितीय, राजकुमारी सलमा बिन्त अब्दुल्ला द्वितीय और जॉर्डन के प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ 'ग्लोबल इंडस्ट्रियल एंड डिफेंस सॉल्यूशंस' (जीआईडीएस) के दौरे पर थे। सेना के एक बयान के अनुसार, फील्ड मार्शल मुनीर ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शाह अब्दुल्ला का स्वागत किया, जो जॉर्डन सशस्त्र बलों के शीर्ष कमांडर भी हैं। मुनीर ने पाकिस्तान और हाशमी साम्राज्य के बीच ''मजबूत रक्षा साझेदारी'' पर जोर दिया।

नेतन्याहू ने फलस्तीनी राष्ट्र से संबंधित प्रस्ताव का विरोध किया

तेल अवीव/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के किसी भी प्रयास का विरोध करने का रविवार को संकल्प जताया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फलस्तीनी स्वतंत्रता से संबंधित अमेरिकी प्रस्ताव पर मतदान से एक दिन पहले यह बात कही। नेतन्याहू लंबे समय से फलस्तीनी स्वतंत्रता की संभावना से इनकार करते रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे अमेरिका गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, नेतन्याहू पर लचीलापन दिखाने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

श्रीधाम एक्सप्रेस में बम की अफवाह, तलाशी में कुछ भी नहीं मिला

मथुरा (उप्र)/भाषा। जबलपुर से निजामुद्दीन जा रही श्रीधाम एक्सप्रेस में रविवार को बम होने की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, मथुरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की सघन तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मथुरा जंक्शन के निदेशक एन.पी. सिंह ने बताया कि श्रीधाम एक्सप्रेस की सामान्य बोगी में भोपाल से बम रखे जाने की सूचना मिली थी इसके बाद ट्रेन का हर स्टेशन पर निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन मथुरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर पूर्वाह्न 10 बजकर दो मिनट पर पहुंची, ट्रेन के पहुंचते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और खोजी कुत्तों की मदद से सामान्य बोगी की बारीकी से तलाशी ली गई।

17-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 18-11-2025 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
84,562.78 (+84.11)	25,910.05 (+30.90)

सोना	चांदी
12,878 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	159,605 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नाम-काम भेद

नाकाम बता कर दूजों को,
कुछ कहते खुद को कामदार।
जो नामी बने विरासत से,
वे बने स्वतः ही नामदार।
जिनने भी कर दी पगचम्पी,
वे हक से हुए ईनामदार।
सब काम नाम ईनाम चले,
जब मिल जाए यदि दामदार।।

कलबुर्गी में आरएसएस ने किया पथ संचलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पथ संचलन किया। चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे करते हैं।

जिला प्रशासन ने पहले पथ संचलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, बाद में अदालत के आदेश के बाद उसने पथ संचलन की मंजूरी दे दी, जिसमें आरएसएस के 350 कार्यकर्ता शामिल हुए।

जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि पथ संचलन के लिए कड़ी शर्तें लागू की गई थीं।

पथ संचलन दोपहर के समय बजाज कल्याण मंडप से शुरू हुआ और लगभग 1.2 किलोमीटर के मार्च के बाद उसी स्थल के पास समाप्त हुआ।

पूरा रास्ता भगवा झंडों और तोरण द्वार से पटा हुआ था। सड़क के दोनों ओर सैकड़ों लोगों ने गणवेशधारी आरएसएस कार्यकर्ताओं पर पुष्पवर्षा करके उनका स्वागत किया।

बाद में, आरएसएस के कर्नाटक उत्तर क्षेत्र के प्रमुख कृष्ण जोशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिबंध सहित कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद संगठन किस तरह आगे बढ़ा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को हिंदू समुदाय को एकजुट करने और राष्ट्र सेवा में आरएसएस के योगदान के बारे में भी बताया। जोशी ने कहा कि आरएसएस का विरोध करने वाले लोग आज इसकी प्रशंसा कर रहे हैं और इसे स्वीकार कर रहे हैं।

पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। रास्ते में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे और ड्रोन से निगरानी की

उदयनिधि स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा

एसआईआर कवायद को लेकर सतर्क रहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को द्रमुक कार्यकर्ताओं से राज्य में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आने वाले दिनों में जमीनी स्तर पर और मजबूती से काम करने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद द्रमुक सातवीं बार सरकार बनाए।

उदयनिधि ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''आपको जारी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति सतर्क रहना चाहिए। इस प्रक्रिया को पूरा होने में अभी 40-45 दिन और लगेंगे। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इस प्रक्रिया के दौरान किसी भी वास्तविक मतदाता का विवरण न हटाया जाए और न ही फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े जाएं।''

बिहार मंत्रिमंडल की बैठक आज, नई सरकार के गठन पर होगी चर्चा

पटना/भाषा। बिहार में विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में सोमवार को निवर्तमान मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक होगी, जिसमें निश्चित रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस दिशा में जरूरी कदम उठाने के लिए अधिकृत किया जाएगा। कैबिनेट सचिवालय विभाग की अधिसूचना के अनुसार, मंत्रिपरिषद की बैठक सोमवार को होगी। जदयू के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि इस बैठक में निवर्तमान विधानसभा को भंग करने और कुमार को राज्यपाल से मिलने के लिए अधिकृत करने के लिए प्रस्ताव पारित किये जायेंगे। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए सदस्यों की सूची के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की थी। चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए।

पूरा विश्वास है कि तिब्बत का एक बार फिर उदय होगा : मुरली मनोहर जोशी

- भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें ''अटूट विश्वास'' है कि तिब्बत फिर से उठ खड़ा होगा और अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करेगा, जो चीन से कहीं बड़ा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने निर्वासित तिब्बती बौद्धों की दृढ़ता की सराहना करते हुए कहा कि 14वें दलाई लामा की अहिंसा की शिक्षाओं के माध्यम से तिब्बत का फिर से उदय होगा।

जोशी पूर्व सांसद कर्ण सिंह और तिब्बत हाउस के निदेशक गेशे दोरजी दामदुल के साथ शनिवार को पत्रकार-लेखक अरविंद यादव की पुस्तक 'अनश्वर' के विमोचन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह पुस्तक 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो की हिंदी में पहली अधिकृत जीवनी है। उन्होंने कहा, ''मैं तिब्बती बौद्धों और तिब्बती लोगों को नमन करता हूं कि उन्होंने अपने गुरु, उनके आदर्शों और उनके निर्देशों के लिए कितना कुछ सहा और स्वीकार किया। फिर भी वे अपने सिद्धांतों से कभी विचलित नहीं हुए।'' भाजपा के पूर्व अध्यक्ष (91) जोशी ने कहा, ''यहाँ आकर रहने वाले तिब्बती लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके सामने इतनी सारी विपरीत परिस्थितियां आईं कि अगर कोई और या कोई दूसरा समुदाय होता, तो वे शायद विद्रोह कर देते।'' उन्होंने कहा कि बौद्ध नेता ने सभी को अहिंसा और सद्भाव के सिद्धांत सिखाए।

जोशी ने कहा, ''मुझे पता है कि एक दिन आएगा, शायद मेरे जीवनकाल में न आए, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि तिब्बत फिर से उठ खड़ा होगा, तिब्बत अपनी ज़मीन वापस लेगा। बहुत कम लोग जानते हैं कि तिब्बत ही था जिसने बौद्ध धर्म को चीन में लाया। बौद्ध धर्म सीधे भारत से बाद में गया, लेकिन सबसे पहले तिब्बती ही थे जो बौद्ध धर्म को चीन लेकर गए।''

भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें ''अटूट विश्वास'' है कि तिब्बत फिर से उठ खड़ा होगा और अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करेगा, जो चीन से कहीं बड़ा है। जोशी ने दावा किया, ''एक समय था जब चीन तिब्बत के अधीन हुआ करता था। चीन का भूभाग तिब्बत के अधिकार में था। यह संभव है कि तिब्बत एक बार फिर उठ खड़ा हो और चीन पर शासन करे और उसे कहे कि ऐसा दोबारा न करें, वह गलती दोबारा न करें।'' सर्व भाषा ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित यह किताब दलाई लामा के अमदो में उनके बचपन से लेकर 14वें दलाई लामा के रूप में मान्यता, तिब्बत पर चीनी कब्जे, उनके निर्वासन और एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में उनके उदय तक के उल्लेखनीय जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों का वर्णन करती है।

जागरूकता

पूर्व लोकायुक्त न्यायमूर्ति एन संतोष हेगड़े ने रविवार को बेंगलूरु के चामराजपेट में बॉस्को के बच्चों द्वारा बाल अधिकार जागरूकता जत्थे का उद्घाटन किया।

अंतरिक्ष यान निर्माण को तीन गुना करेगा इसरो

2028 में चंद्रयान-4 का प्रक्षेपण होगा : वी. नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया है कि इसरो ने इस वित्त वर्ष में सात और प्रक्षेपणों की योजना बनाई है और भारत का पहला मानव अंतरिक्ष यान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2027 में ही भेजा जाएगा। नारायणन ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा कि इसरो विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग क्षमता में तेजी से विस्तार के चरण की तैयारी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इसरो चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले सात और प्रक्षेपणों का लक्ष्य लेकर चल रहा है जिनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह और कई पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) एवं जीएसएलवी (भू तुल्यकाली उपग्रह प्रक्षेपण यान) मिशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान पूरी तरह से भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित पहले पीएसएलवी का प्रक्षेपण मील का पत्थर साबित होगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है जिसे चंद्र नमूना-वापसी मिशन के रूप में डिजाइन किया गया है और यह भारत का अब तक का सबसे जटिल चंद्र अभियान होगा। उन्होंने कहा, ''हमने चंद्रयान-4 के लिए 2028 का लक्ष्य रखा है।''

एक अन्य प्रमुख मिशन 'लूपेक्स' है जो जाक्सा (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी) के साथ किया जाने वाला संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण कार्यक्रम है। नारायणन ने कहा कि इसरो मिशन के कारण बढ़ती मांग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अगले तीन साल में अपने वार्षिक अंतरिक्ष यान उत्पादन को तिगुना करने पर भी काम कर रहा है। चंद्रयान-4 चंद्रमा से नमूने वापस लाने का प्रयास करेगा। यह एक ऐसी क्षमता है जिसका प्रदर्शन अभी तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही किया है।

लूपेक्स का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करना है। नारायणन ने कहा कि इसरो ने एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम शुरू कर दिया है जिसे 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, ''पांच मॉड्यूल में से पहला 2028 तक कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा।''

'विदेशी' इतिहासकारों ने छिपाये भारत के गौरवशाली क्षण : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक कला और लोक गायन को इतिहास का संरक्षक बताते हुए रविवार को कहा कि 'विदेशी' इतिहासकारों ने भारत के अनेक गौरवशाली क्षणों को देश के इतिहास के साथ जानबूझकर नहीं जोड़ा लेकिन लोक गायन और लोक परंपराओं ने गर्व की उन गाथाओं को जिंदा रखा और उनका संरक्षण किया। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में आयोजित 10 दिवसीय 'उत्तराखण्ड महोत्सव-2025' में अपने संबोधन में कहा कि ऐसे महोत्सव देश की लोक परंपरा और लोक संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का भी एक माध्यम हैं। अगर इस तरह के महोत्सव ना मनाये जाएं तो आज की आपाधापी में बहुत से लोग परंपरा और संस्कृति से विमुख हो जाएंगे। उन्होंने इतिहासकारों पर भारत के गौरवशाली क्षणों को जानबूझकर देश के इतिहास से नहीं जोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा, ''याद करिए, जब संकट के दौरान यह लोकगीत, यह लोक कला ही इतिहास का संरक्षण करके रखती है। भारत के बहुत सारे ऐसे गौरवशाली क्षण हैं जिन्हें विदेशी इतिहासकारों ने जानबूझकर शरारतन भारत के गौरवशाली इतिहास के साथ नहीं जोड़ा ताकि भारत का सच्चा इतिहास यहां के नागरिकों को प्राप्त ना हो, लेकिन लोक गायन और लोक परंपरा के माध्यम से वह गाथा आज भी हम सबको सुनने और देखने को मिलती है।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''हमें अपनी मातृभूमि, अपनी देवभूमि पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। वहां की लोक कला, परंपरा, खान-पान और लोक संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे एक मंच भी देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उत्तराखंड महोत्सव भी अवधि संस्कृति और उत्तराखंड की संस्कृति के बेहतर समन्वय का ही स्वरुप है।

अयप्पा स्वामी

अयप्पा मालाधारियों ने रविवार को चिक्काबल्लापुर में अयप्पा स्वामी जुलूस निकाला।

ईरान अब किसी भी स्थान पर यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है : ईरानी विदेश मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/एपी। ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि तेहरान अब देश के किसी भी स्थल पर यूरेनियम संवर्द्धन नहीं कर रहा है।

विदेश मंत्री ने इसके जरिये पश्चिमी देशों को यह संकेत देने का प्रयास किया है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर संभावित वार्ताओं के लिए अभी भी तैयार है।

ईरान की यात्रा पर आए 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक संवाददाता के प्रश्न के जवाब में, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जून में इज़राइल और अमेरिका द्वारा उसके संवर्धन स्थलों पर की गई बमबारी के बाद, ईरानी सरकार की परमाणु कार्यक्रम पर अब तक की सबसे सीधी प्रतिक्रिया दी।

अराघची ने कहा, ''ईरान में गुप्त रूप से कोई परमाणु संवर्धन नहीं हो रहा है। हमारी सभी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की सुरक्षा व्यवस्थाओं और निगरानी के तहत हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस समय कोई संवर्धन नहीं हो रहा है, क्योंकि हमारी सुविधाओं पर हमला किया गया है।''

ईरान का कहना है कि निशाना बनाए गए इन स्थलों तक पहुंचने को लेकर उसे धमकी दी जा रही है

यह पूछे जाने पर कि ईरान को अमेरिका और अन्य देशों के साथ वार्ता जारी रखने के लिए क्या करना होगा, अराघची ने कहा कि अपने परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का संदेश स्पष्ट है।

पनडुब्बी रोधी जलपोत 'माहे' का जलावतरण 24 को

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना अगले सप्ताह स्वदेश निर्मित पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धकपोत 'माहे' का जलावतरण करेगी, जिससे उसकी युद्ध क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। नौसेना ने रविवार को कहा कि पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उन्नत रडार से सुसज्जित 'माहे' को 24 नवंबर को मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बल में शामिल किया जाएगा। इसने कहा कि कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा निर्मित पोत 'माहे' नौसेना पोत डिजाइन और निर्माण में देश की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का एक अत्याधुनिक उदाहरण है।

ऑडिट सुधार और नवोन्मेषण का एक दूरदर्शी साधन है : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ऑडिट (अंकेक्षण) अब केवल पूर्वव्यापी अभ्यास नहीं रह गया है, बल्कि यह सुधार, दूरदर्शिता और नवोन्मेषण का एक साधन बन गया है।

भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट दिवस का उद्घाटन करने के बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्थान ने लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं, जिससे सुशासन को बढ़ावा मिला है और कार्यकारी जवाबदेही मजबूत हुई है। उन्होंने आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थानों के साथ संस्थागत सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण में हाल की पहल के लिए भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की भी सराहना की।

राधाकृष्णन ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक, प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय और संस्थागत क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयासों में कैग एक विश्वसनीय भागीदार की भूमिका निभा रहा है।

ऑडिट दिवस कैग की स्थापना के 166वें वर्ष के प्रारंभ का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''कैग सार्वजनिक खजाने का रक्षक है। यह लेखांकन विवरणों में प्रस्तुत तथ्यों, आंकड़ों और प्रमाणों को सुनता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि एक संवैधानिक प्राधिकरण होने के नाते यह शासन, सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही पर आवश्यक प्रतिक्रिया प्रदान करता है।

सेना के उत्तरी कमांडर ने जम्मू में उभरते आतंकी खतरों के खिलाफ सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में आतंकवाद-रोधी ग्रिड की समीक्षा की और सभी रैंकों से आह्वान किया कि वे अंदरूनी इलाकों में उभरते खतरों के खिलाफ सतर्क और सक्रिय रहें। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने बसंतगढ़ और रामपुर क्षेत्रों का दौरा किया, जहां पिछले कुछ वर्षों में कई आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने आतंकवाद-निरोधी ग्रिड की समीक्षा के लिए बसंतगढ़ और रामपुर का दौरा किया। उन्होंने सभी रैंकों से आंतरिक क्षेत्रों में उभरते खतरों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने का आह्वान किया।

सेना की उत्तरी कमान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यात्रा के दौरान उन्होंने सैनिकों से भी बातचीत की और उनके पेशेवराना अंदाज तथा जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त रखने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। सैन्य कमांडर ने शनिवार को राजौरी जिले के नौशेरा और बिम्बर गली सेक्टरों का दौरा किया तथा परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। सेना ने कहा कि कमांडर ने नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों से बातचीत की और उनके उच्च मनोबल, पेशेवराना रुख और लगातार बेहतर प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा उन्हें उन्नत निगरानी प्रणालियों, सटीक मारक क्षमताओं और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार की गई नई संचालनात्मक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी गई, ताकि सीमा पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक की नई कार्यकारिणी समिति का गठन बेंगलूरु में किया गया। कांन्फ्रेंस घर-घर भक्ति और चालीसा का आयोजन पिछले 9 साल से निशुल्क कर रही है। वर्ष 2025-28 तक के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। कार्यकारिणी समिति में दक्षिण भारत के समन्वयक सुशील बाफना, अध्यक्ष वंशराज बोहरा, उपाध्यक्ष मुकेश रांका, महेंद्र बागरेचा, मंत्री कुलदीप छाजेड़, सहमंत्री मितेश कटारिया और प्रसार प्रचार मंत्री रंजीत खारीवाल को नियुक्त किया गया। बैठक में नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के 48 पुरुष सदस्य व 8 महिला सदस्य उपस्थित थे।

निःशुल्क शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन नन्दिनी लेआउट स्थित सेंटूल पार्क में ब्लड शुगर, रक्तचाप की जांच की जिसमें 71 लोग लाभान्वित हुए। इस अवसर पर तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक, योगेश मेहता एवं मुकेश नाहर ने अपनी सेवाएं प्रदान की ।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' में बाली जात्रा उत्सव की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को 'बाली जात्रा' के आयोजन और राज्य की विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए ब्रिटेन स्थित 'उड़िया एसोसिएशन' के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित समुद्री त्योहारों में से एक 'बाली जात्रा' का आयोजन शनिवार को लंदन के ऐतिहासिक 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' में किया गया। कार्यक्रम के दौरान माझी का एक विशेष संदेश साझा किया गया, जिसमें उन्होंने आयोजकों को ओडिशा की समृद्ध समुद्री विरासत के बारे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर जागरूकता फैलाने के उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। बयान में कहा गया है कि कार्यक्रम के दौरान दर्शकों के लिए यह संदेश सुनाया गया।

बयान ने कहा गया कि शिखर सम्मेलन से एक महत्वपूर्ण बात यह हुई कि ग्लोबल साउथ कॉरिडोर स्थापना को लेकर एक योजना की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य इन क्षेत्रों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टि से प्राचीन संबंधों को सुगम बनाना और नवीनीकृत करना है। बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया कि 'ग्लोबल साउथ' के प्रतिनिधियों ने आगामी वर्ष में इस कॉरिडोर के साकार होने में गहरी रुचि दिखाई। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के सांसद लुई फ्रेंच, खेल और संस्कृति मंत्र लॉर्ड रामी रेंजर, पूर्व संसद सदस्य लॉर्ड इवांस, कंजर्वेटिव और लेबर, दोनों पार्टियों के पार्षद तथा लंदन विधानसभा के सदस्य शामिल हुए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया के लेबर फ्रेंड्स और इंडोनेशिया पर एपीपीजी (सर्वदलीय संसदीय समूह) के सदस्य समेत अफ्रीका, चीन, ब्रिटेन और यूरोप के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की स्थिति में पहुंच गया है। भारतीय संविधान के लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ (एपीएचसीएए) के सम्मेलन में नायडू ने कहा कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

नायडू ने कहा, ''आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की स्थिति में पहुंच गया है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर, 2047 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। न्यायपालिका की भूमिका के बारे में नायडू ने कहा कि यह लोकतंत्र के चार स्तंभ में से एक है और विधायिका, कार्यपालिका एवं मीडिया की तुलना में अधिक स्थिरता प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, ''जब भी व्यवधान उत्पन्न होता है, न्यायपालिका उसे सुधारने और लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए आगे आती है।'' सम्मेलन में भारत के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धीरज सिंह ठाकुर, वरिष्ठ न्यायाधीश, कानूनी विशेषज्ञ और प्रमुख जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

चुनावों में नकदी बांटी जाती है, फिर भी लोग पैसे लेकर अपनी इच्छा से वोट देते हैं : प्रफुल्ल पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राकांपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को चुनावों में पैसे बांटे जाने का दावा करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इससे लोगों के वोट देने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता।

वह मुंबई से लगभग 950 किलोमीटर दूर गोंदिया में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। पटेल ने कहा, चुनावों में पैसे बांटे जाते हैं। पैसे लेने के बाद भी मतदाता अपनी इच्छा से वोट देते हैं। पटेल ने नेताओं को खुद को बाहुबली' के रूप में पेश करने के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने कहा, ''किसी को भी खुद को बाहुबली' नहीं समझना चाहिए। अतीत में हमने कई बाहुबलियों को चुना है।'' उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि उनके लिए राजनीति जनसेवा का एक माध्यम बनी हुई है। पटेल की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करते हुए उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा महसूस किया है कि राजनीति लोगों की सेवा करने का एक माध्यम है।''

बिना सबूत 'वोट चोरी' के आरोप लगाने से कांग्रेस को आगामी चुनाव में भी शिकस्त मिलेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग या अदालतों में बिना कोई सबूत पेश किए वोट चोरी और चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाने से कांग्रेस को आगामी चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ेगा।

हाल ही में हुए बिहार चुनाव में कांग्रेस की करारी हार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फडणवीस ने यह टिप्पणी की। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को केवल छह सीट पर जीत मिली।

छत्रपति संभाजीनगर जिले के चिखलथाना में एक कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक किस्मत बदलने के लिए जनता से फिर से जुड़ना होगा और उसके मुद्दों को ईमानदारी से उठाना होगा। फडणवीस ने रावसाहेब दानवे, मंत्री अतुल सावे, पंकजा मुंडे, मेघना बोर्डिकर और सांसद भागवत कराड की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के नए क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत पर उन्होंने कहा, देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करता आ रहा है और देश की जनता विपक्ष के झूठे विमर्श का सीधा जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को निराधार आरोप लगाना बंद करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस वोट चोरी और ईवीएम जैसे मुद्दे उठाती है, लेकिन जब अदालत या निर्वाचन आयोग सबूत मांगता है, तो वे सबूत देने में विफल रहते हैं। अगर वे अपने रवैये में सुधार नहीं करेंगे, तो मेरा अनुमान है कि आगामी स्थानीय चुनाव में भी उन्हें ऐसी ही हार का सामना करना पड़ेगा।

चिराग पासवान ने पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को अपने परिवार के साथ तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे। लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने सिर पर नारंगी पगड़ी बांधी हुई थी। उन्होंने गुरुद्वारे में दरबार साहिब में मत्था टेका और लंगर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने पोस्ट किया, ''आज पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरिमंदिर साहिब जी में सपरिवार मत्था टेककर अरदास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु महाराज से बिहार की शांति, समृद्धि और सबके कल्याण की कामना की।'' तख्त का निर्माण पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह ने 18वीं शताब्दी में गुरु गोबिंद सिंह के जन्मस्थान पर करवाया था। दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1666 में पटना में हुआ था। आनंदपुर साहिब जाने से पहले उन्होंने अपने प्रारंभिक वर्ष भी यहीं बिताए थे।

कांग्रेस ने एसआईआर वाले 12 राज्यों के शीर्ष पदाधिकारियों की बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार और वोट चोरी के मुद्दे के बीच कांग्रेस ने 18 नवंबर को उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और सचिवों की समीक्षा बैठक बुलाई है, जहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के शुक्रवार को आए नतीजे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 202 सीट पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस के घटक वाले महागठबंधन को 35 सीट से संतोष करना पड़ा।

कांग्रेस ने राहुल गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं की शनिवार को नतीजों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में चुनाव निर्वाचन आयोग (ईसी) की भूमिका पर सवाल उठाया। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि इन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेताओं और सचिवों की समीक्षा बैठक 18 नवंबर को इंदिरा भवन में होगी। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के 5.99 करोड़ मतदाताओं में से 95 प्रतिशत से अधिक को एसआईआर प्रक्रिया के तहत गणना प्रपत्र मुहैया कराए जा चुके हैं। अपने दैनिक एसआईआर बुलेटिन में निर्वाचन आयोग ने कहा कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों - छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में 48.67 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे।

सबरीमला मंदिर के कपाट वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए खुले, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर के कपाट वार्षिक मंडलम-मकरविलक्कु तीर्थयात्रा की शुरुआत से पहले रविवार शाम खोल दिए गए। इस वर्ष की तीर्थयात्रा में दुनिया भर से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। करीब दो महीने से भी लंबा यह तीर्थ सत्र सोमवार से शुरु होगा, जो मलयालम महीने 'वृश्चिकम' का पहला दिन है।

रविवार शाम कपाट खुलते ही सन्निधानम (मंदिर परिसर), यात्रा मार्ग और आधार शिविरों में भारी भीड़ देखी गई। मंदिर खुलते ही सैकड़ों तीर्थयात्री दर्शन के लिए उमड़ पड़े। जैसे ही मौजूदा मेलशांती (मुख्य पुजारी) अरुणकुमार नंबूदरी ने तंत्री (प्रधान पुजारी) महेश मोहनारू, त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गर्भगृह का द्वार खोला, मंदिर परिसर भगवान अयप्पा के जयकारों से गूंज उठा। टीडीबी सूत्रों के मुताबिक, इसी अवसर पर सबरीमला और मलिकप्पुरम मंदिरों के नये मेलशांती ईडी प्रसाद और एमजी मनु का पदस्थापन समारोह भी आयोजित किया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने ऑनलाइन माध्यम से अग्रिम बुकिंग (वर्चुअल क्यू सिस्टम) कराने वालों की दैनिक संख्या 70,000 से 90,000 निर्धारित की है, जबकि मौके पर बुकिंग कराने वालों के लिए यह सीमा 20,000 रखी गई है। वार्षिक यात्रा के दौरान मंदिर प्रतिदिन तड़के तीन बजे से रात 11 बजे तक खुला रहेगा। रात में कपाट बंद होने से ठीक पहले भगवान अयप्पा को समर्पित पारंपरिक भजन 'हरिवरासनम' गाया जाएगा। इससे पहले, टीडीबी ने बताया कि श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि तीर्थयात्रियों के लिए ढेरों सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें कई किलोमीटर पैदल चलकर आने वाले भक्तों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, पैदल मार्ग पर विश्राम के वास्ते बेंच, पेयजल स्टॉल, चुक्कुवेल्लम (सोंठ मिला पानी) और गर्म पानी वितरण केंद्र शामिल हैं। यात्रा अवधि के दौरान मंदिर परिसर में चौबीसों घंटे सफाई व्यवस्था के लिए सैकड़ों कर्मचारी तैनात रहेंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बहुभाषी सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं। तीर्थयात्रियों के लिए कई आपातकालीन चिकित्सा केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

सौ साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा है आरएसएस : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंक खरगे ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि संगठन 100 वर्ष में पहली बार कानूनी व संवैधानिक अनुमति के साथ चित्तापुर में पथ संचलन आयोजित करके नियमों का पालन कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कलबुर्गी जिले के चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र में मार्च आयोजित करने वाला है, जहां से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियंक विधायक हैं। पिछले कुछ समय से आरएसएस पर हमलावर दिख रहे प्रियंक ने पहले मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि संगठन को कर्नाटक में कहीं भी सरकारी जमीन पर शाखा या पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति न दी जाए, क्योंकि इससे नफरत फैलती है।

आरएसएस ने शुरू में खरगे के निर्वाचन क्षेत्र में मार्च की योजना बनाई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। बाद में संगठन ने अदालत का रुख कर मंजूरी हासिल की। प्रियंक ने कलबुर्गी में संवाददाताओं से कहा, मैंने कभी भी पथ संचलन का विरोध नहीं किया। मैंने बस इतना कहा था कि अनुमति ली जानी चाहिए। उन्हें कानून का पालन न करने की आदत है। अब वे नियमों का पालन कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करना चाहिए। मंत्री के अनुसार कड़ी शर्तें लगाई गई हैं। उन्होंने कहा, अगर वे शर्तों का पालन नहीं करेंगे, तो उन्हें कानून के अनुसार सजा मिलेगी।

प्रियंक ने आगे कहा, हमने उनसे कानून और संविधान का पालन करने को कहा है, जो वे 100 सालों में पहली बार कर रहे हैं। आरएसएस के मार्च के शुरुआती बिंदु बजाज कल्याण मंडप के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने आयोजन स्थल की घेराबंदी कर दी है, जबकि बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों ने गहन जांच की है। अधिकारी संभावित सुरक्षा खतरों के मद्देनजर परिसर और आसपास के पेड़ों पर भी नजर रख रहे हैं, और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। यह पथ संचलन अपराह्न 3.30 बजे बजाज कल्याण मंडप से शुरू होगा, लगभग 1.2 किलोमीटर तक चलेगा और उसी स्थल के पास समाप्त होगा। पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था की गई है।

शुभारंभ

शनिवार को नई दिल्ली में 'दिल से विद कपिल सिब्बल' श्रृंखला के 100वें संस्करण के शुभारंभ समारोह में शामिल होने के लिए कर्नाटक से मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे। इस अवसर पर एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मनु सिंघवी सहित कई नेता मौजूद थे।

दिन-रात एक करके पार्टी को खड़ा किया है, मैं ब्लैकमेल करने वालों में नहीं हूँ : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को दोहराया कि वह पार्टी के वफ़ादार सिपाही हैं और उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने दिन-रात मेहनत करके खड़ा किया है, उसे वह कभी ब्लैकमेल नहीं करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने पार्टी को मज़बूत करने के लिए दिन-रात काम किया है और आगे भी करता रहूँगा। मेरा मानसिक, शारीरिक और राजनीतिक स्वास्थ्य अच्छा है। मुझे यह सुनिश्चित करना है कि कर्नाटक में 100 कांग्रेस पार्टी कार्यालयों की आधारशिला रखी जाए। मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने जा रहा हूँ। मैंने गांधी भारत पर एक किताब लिखी है और मुझे उसके विमोचन की तारीख तय करनी है। हमें कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाना है। यह सब कौन करेगा? मुझे ही करना है। मुझे केपीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा क्यों देना चाहिए? इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। वह केपीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा देने की अफवाहों पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, जब तक पार्टी चाहेगी कि मैं केपीसीसी अध्यक्ष पद पर बना रहूँ, मैं पार्टी के एक वफ़ादार सिपाही की तरह आगे बढ़ता रहूँगा। मैं पार्टी के लिए काम करता रहूँगा और उसे सत्ता में वापस लाऊँगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाहों पर चर्चा करेंगे, उन्होंने कहा, यह मुख्यमंत्री पर छोड़ दिया गया है। वह आलाकमान से इस पर चर्चा करेंगे। मैं उनसे केवल नए कांग्रेस कार्यालयों की आधारशिला रखने की तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए मिल रहा हूँ। मैं चाहूँगा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी आधारशिला रखें। मैं संसद सत्र शुरू होने से पहले 1 दिसंबर से पहले की तारीख माँग रहा हूँ।

उन्होंने आगे कहा, मैं नए कांग्रेस कार्यालय के लिए स्वीकृति योजना प्राप्त करने के लिए 2.3 करोड़ रुपये दे रहा हूँ। रामलिंगा रेड्डी के नेतृत्व में एक कार्यालय का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 75-80 जगहों पर जगहें तैयार हैं। हम अंततः 100 कार्यालय बनाएंगे।

पार्टी आलाकमान कैबिनेट फेरबदल और सत्ता के बंटवारे पर फैसला लेगा : डीके सुरेश

डीके शिवकुमार तब तक केपीसीसी अध्यक्ष बने रहेंगे जब तक पार्टी चाहेगी

बेंगलूरु। पूर्व सांसद और बामुल अध्यक्ष डीके सुरेश ने रविवार को कहा कि कैबिनेट फेरबदल और सत्ता के बंटवारे पर फैसला आलाकमान ही लेगा, और वह इंतज़ार करेंगे और देखेंगे। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने मीडिया में आई खबरें देखी हैं। यह आलाकमान और मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है, इंतज़ार करते हैं और देखते हैं। वह आलाकमान द्वारा कैबिनेट फेरबदल को हरी झंडी दिए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

यह पूछे जाने पर कि अगर कैबिनेट फेरबदल होता है तो नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा, उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह पार्टी आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा, किसी और द्वारा नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने भाई के साथ दिल्ली जाएँगे, उन्होंने कहा, मीडिया में पहले ही खबर आ चुकी है कि मैं दिल्ली में हूँ। दिल्ली आना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। डीके शिवकुमार काम से दिल्ली गए हैं और मैं अपने काम से जा रहा हूँ।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने दिल्ली दौरे के दौरान आलाकमान से मिलेंगे, उन्होंने कहा कि अगर मौका मिला तो वह ज़रूर मिलेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या इंतज़ार का समय खत्म हो गया है, उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में नहीं पता। ये आपके शब्द हैं, देखते हैं क्या होता है। अपने भाई को मुख्यमंत्री बनाने की उनकी इच्छा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं इस बारे में कई बार बोल चुका हूँ। इस मामले में आलाकमान का फैसला अंतिम है, देखना होगा कि आलाकमान क्या फैसला लेता है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सब कुछ डीके शिवकुमार के 'दावे' पर निर्भर है, उन्होंने कहा, इंतज़ार करते हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ़ शिवकुमार ही दावा कर रहे हैं, बहुत से लोग दावा कर रहे हैं। हमें नहीं पता कि दूसरे क्या दावा कर रहे हैं।

गृह मंत्री परमेश्वर के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि अगर मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा, उन्होंने कहा, वह एक वरिष्ठ मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में फेरबदल मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है और वह आलाकमान के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे हैं। अगर आलाकमान कहेगा तो डीके शिवकुमार अपनी राय देंगे।

केपीसीसी अध्यक्ष बदलने के लिए आलाकमान के समक्ष रखे गए प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, डीके शिवकुमार आलाकमान द्वारा लिए गए किसी भी फैसले का पालन करेंगे। सभी को आलाकमान की बात माननी होगी, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। डीके शिवकुमार पद से चिपके नहीं हैं, पार्टी ने उन्हें पद पर बने रहने के लिए कहा है। जब तक पार्टी उन्हें मौका देगी, वह पार्टी के लिए काम करते रहेंगे।

भागने की कोशिश कर रहे हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने पैर में मारी गोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के हुब्बल्ली में रविवार सुबह तीन दिन पहले हुई हत्या के एक मामले के हिरासत में लिये गये दो आरोपियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर दोनों ने कथित तौर पर हमला किया और फरार होने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों के पैर में गोली मार दी। यह घटना 27 वर्षीय मलिक जान की हत्या से संबंधित है। बेंडिगेरी पुलिस थाना क्षेत्र के मंटूर मार्ग पर आठ से दस हमलावरों ने मलिक की चाकू मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने इस मामले में मुख्य संदिग्ध बलराज उर्फ बालू और मोहम्मद हफीज के साथ कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस को यह जानकारी मिली थी कि आरोपियों के गिरोह के सदस्य अक्सर मंटूर रोड पर एक जगह मिलते हैं जिसके बाद वह उन्हें रविवार सुबह घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए वहां ले गई थी। आरोपियों ने वहां से भागने की कोशिश में पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया जिसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद उन्हें केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने अस्पताल का दौरा किया और घटना की जानकारी ली।

शशिकुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि पुलिस ने बलराज और हफीज समेत कई अन्य लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, बलराज ने बताया कि वह भेड़ों की ढुलाई का काम करता था। वह ऐसा सिर्फ पुलिस से बचने के लिए करता था। वास्तव में वह पूरे समय डकैती और अपने गिरोह के साथ लोगों को रंगदारी मांगने जैसे अपराध करता था। वह किसी भी अपराध में गुर्गे की तरह काम करता था।

अधिकारी ने बताया कि एक अन्य आरोपी मोहम्मद हफीज है। हफीज के खिलाफ कई पुलिस थानों में कई मामले लंबित है। इनमें कुछ मामले कथित डकैती, हत्या के प्रयास और हत्या से संबंधित हैं।

गोलीबारी के बारे में बताते हुए शशिकुमार ने कहा कि पुलिस निरीक्षक ने दो बार हवा में चेतावनी के लिये गोलियां चलाईं और फिर आरोपियों के पैरों में गोली मार दी ताकि वे पुलिस पर हमला न करें और मौके से फरार न हो सकें। उनके अनुसार इस घटना में तीन पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं जिन्हें आरोपियों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंत्री ने केरल में घर से निकाले गए बच्चे, उसकी मां की मदद करने वाले स्कूल शिक्षकों की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने रविवार को उन शिक्षकों की प्रशंसा की, जिन्होंने एर्नाकुलम जिले के तिरुमाराडी में माता-पिता के बीच विवाद के कारण घर से बाहर निकाले गए कक्षा छह के छात्र और उसकी मां की सुरक्षा सुनिश्चित की। शिवनकुट्टी ने एक फेसबुक पोस्ट में तिरुमाराडी के एक सरकारी स्कूल के शिक्षकों की सराहना की।

यह घटना तब सामने आई जब शिक्षकों को स्कूल की कक्षा में कई प्लास्टिक की शीतल पेय की बोतलें पड़ी मिलीं। पूछताछ में पता चला कि ये बोतलें एक छात्र ने छोड़ी थीं जो रोज जूस की बोतल खरीदता था। परामर्श के दौरान, छात्र ने शिक्षकों को बताया कि वह अपनी मां द्वारा रोज दिए जाने वाले 20 रुपये पर गुजारा करता है और उसे घर पर खाना नहीं मिलता। आगे की पूछताछ से पता चला कि उसके माता-पिता के बीच विवाद था और उसकी दादी ने कई दिनों तक मां और बच्चे को घर में आने की अनुमति नहीं दी थी। पिछले कुछ दिनों से बच्चा और उसकी मां घर के बाहर एक झाड़ीदार इलाके में बने एक अस्थायी बसेरे में रह रहे थे।

चाइल्डलाइन और पुलिस की मदद से शिक्षकों ने माता-पिता और दादा-दादी से बात की और सभी मुद्दों को सुलझाया। हाल ही में बच्चे के पिता और दादी ने उसे और उसकी मां को घर में वापस आने की अनुमति दे दी। शिवनकुट्टी ने कहा कि तिरुमाराडी के शिक्षकों ने मानवता का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा, यह घटना दर्शाती है कि हमारे सार्वजनिक शिक्षा संस्थान पाठ्यक्रम की सीमाओं से कहीं आगे जाकर छात्रों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि कक्षा छह के छात्र की पीड़ा को काउंसलिंग के दौरान पहचाना गया तथा प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षकों द्वारा समय पर हस्तक्षेप करने से बच्चे और उसकी मां के लिए घर लौटने का सुरक्षित वातावरण तैयार हुआ।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों के लिए नि:शुल्क पौष्टिक भोजन योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने चेन्नई में सफाई कर्मचारियों को नि:शुल्क पौष्टिक भोजन मुहैया कराने की योजना शुरू की है जिसका उद्देश्य उनकी कार्य स्थितियों एवं स्वास्थ्य में सुधार करना है।

स्टालिन ने सफाई कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि दिन में तीन बार भोजन उपलब्ध कराने की इस योजना का विस्तार छह दिसंबर से राज्य के अन्य हिस्सों में भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को यहां कलैवनार आरंगम में इस योजना की शुरुआत करते हुए कहा, चाहे भीषण गर्मी हो, भारी बारिश हो या बाढ़, सफाई कर्मचारी मैदान पर डटे रहते हैं। आपके निरंतर प्रयासों के कारण ही झीलें, जलाशय और सड़कें साफ रहती हैं।

स्टालिन ने कहा कि वे (सफाई कर्मचारी) निस्वार्थ सेवा करते हैं और उनकी रक्षा करना एवं उनका कुशलक्षेम सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार चेन्नई के सभी 200 वार्ड में 300 वर्ग फुट क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों के विशेष उपयोग के लिए विश्राम कक्ष बनाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी दिनों में पश्चिमी देशों की तरह यहां के लोग भी कचरे का उचित निपटान करने के मामले में स्वयं अनुशासित होंगे जिससे सफाई कर्मचारियों पर बोझ काफी कम हो जाएगा। सरकार ने यह पहल ऐसे समय में की है जब चेन्नई में सफाई कर्मचारी ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन' के दो क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सेवा को नियमित करने की मांग कर रहे हैं।

टीवीके ने तमिलनाडु में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता-राजनेता विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने रविवार को तमिलनाडु में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। टीवीके के राज्य महासचिव एन. आनंद और वरिष्ठ नेता अधव अर्जुन ने यहां विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जबकि संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मलकुमार सहित अन्य ने मदुरै में और प्रचार सचिव केजी अरुणराज ने कोयंबटूर में प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

अर्जुन ने यहां चेपॉक में सभा को संबोधित करते हुए कहा, टीवीके नेता विजय 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार नहीं हैं, लेकिन वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री होंगे। अर्जुन ने विरोध प्रदर्शन के लिए राज्य सरकार द्वारा रखी गई शर्तों की आलोचना करते हुए कहा कि रविवार की सुबह भी पुलिस अधिकारियों ने पार्टी को मंच की ऊंचाई पांच फुट से घटाकर तीन फुट करने का निर्देश दिया था। आनंद ने अपने भाषण में कहा कि पार्टी प्रमुख विजय के निर्देशानुसार टीवीके पूरे तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, यह विरोध प्रदर्शन महज एक छोटी सी मांग के लिए नहीं है, बल्कि यह इस बात को रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए किया जा रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिये लोगों के मताधिकार छीने जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में नारे लगाए। कोयंबटूर में विरोध प्रदर्शन के दौरान अरुणराज ने कहा कि एसआईआर कराना आवश्यक है और इसका महत्व भी है। उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारा एकमात्र सवाल यह है कि इस बरसात के मौसम में और तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में एसआईआर कराने की इतनी जल्दी क्यों है।''

टीवीके ने निर्वाचन आयोग से परामर्श बैठकों में उसे शामिल करने का अनुरोध किया

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने निर्वाचन आयोग से चुनाव संबंधी विचार-परामर्श एवं चर्चा में उनकी पार्टी को शामिल करने का अनुरोध करते हुए कहा है कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया को और मजूबत करने में मदद करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त को शनिवार यानी 15 नवंबर को दिए गए ज्ञापन में विजय ने कहा कि उनकी पार्टी ने पूरे तमिलनाडु में अपनी स्पष्ट एवं प्रदर्शन योग्य उपस्थिति बना ली है और पार्टी आगामी चुनावों में पूरे राज्य में चुनाव लड़ेगी। विजय ने अपने ज्ञापन में कहा, ''हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को इस तरह आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हर नागरिक की आवाज सुनी जाए। इस संदर्भ में हम विनम्रता के साथ कहना चाहते हैं कि सभी राजनीतिक दलों (मान्यता प्राप्त या गैर-मान्यता प्राप्त) को समान अवसर उपलब्ध कराना संविधान के मूल ढांचे का एक अभिन्न और अनिवार्य हिस्सा है।'' ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में, टीवीके पार्टी को परामर्श बैठकों से बाहर रखा जा रहा है और यह भागीदारी में समानता को कमजोर करता है। इसमें कहा गया है कि चुनावी प्रणाली की निष्पक्षता में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए समान भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है, ''हम अत्यंत विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि पारदर्शिता और समावेशिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए टीवीके को उचित सूचना दी जाए और उसे तमिलनाडु में आगामी चुनाव तैयारियों से संबंधित होने वाली बैठकों, परामर्शों और समन्वय प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाए।'' टीवीके के अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग के प्रमुख से अनुरोध किया कि वह आगामी चुनावों के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ होने वाली सभी परामर्शों और चर्चाओं में टीवीके को विधिवत शामिल करने के लिए उचित निर्देश जारी करें। अभिनेता एवं नेता विजय ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी किया और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं सहित तमिलनाडु के लोगों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि उनका नाम राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में दर्ज हो। उन्होंने कहा, ''लापरवाही करने से मतदाता सूची से नाम कट सकते हैं जिससे वोट देने के अधिकार से वंचित होना पड़ेगा।''

भारत की सभी रियासतों को एकजुट करने में सरदार पटेल की अहम भूमिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 'सरदार150 यूनिटी मार्च' का आयोजन आज गायत्री शक्तिपीठ गर्ल्स कॉलेज पुष्कर से शुरू हुआ।

यह जानकारी प्रदान करते हुए माय भारत के जिला युवा अधिकारी श्री जयेश मीना ने बताया की यूनिटी मार्च के प्रारंभ में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एवं सांसद श्री भागीरथ चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री जल संसाधन विभाग एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत साथ ही विशिष्ट अतिथि में अजमेर देहात जिलाध्यक्ष श्री जीतमल प्रजापत रहे। अन्य अतिथियों में जिला महामंत्री अर्जुन नालिया गुर्जर, नगर परिषद पुष्कर सभापति श्री कमल पाठक, पुष्कर मंडल अध्यक्ष भुवनेश पाठक, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चूंडावत, खोड़ा गणेश मंडल अध्यक्ष सुरजीत सिंह रावत, पार्षद नगर परिषद पुष्कर रोहन बाकोलिया रहे।

यूनिटी मार्च को केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यूनिटी मार्च सरदार पटेल की आदम कद प्रतिमा रथ के साथ, डीजे साउंड देश भक्ति गीतों, राष्ट्रीय एकता की धून के साथ गायत्री शक्तिपीठ गर्ल्स कॉलेज पुष्कर से गुरुद्वारा, वराहघाट, ब्रह्मा चौक, ब्रह्मा मंदिर, मेला ग्राउंड होते हुए अम्बेडकर चौक पहुँच कर समापन हुआ।

गायत्री शक्तिपीठ गर्ल्स कॉलेज पुष्कर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का नाम इतिहास से जुड़ा हुआ है, सरदार पटेल की वजह से ही देश की 565 रियासतों को एकजुट करने में अपना सर्वोच्च योगदान दिया है। उन्होंने बताया यह कार्यक्रम ही नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान हैं। युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाने, देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने, राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूती के साथ रखने का अवसर है। कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि उनके अदम्य साहस, दूरदृष्टि और नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत को सशक्त राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के साथ ही आज के समय में भी सरदार पटेल की एकता की भावना भारत के हर नागरिक को प्रेरित करती है।

स्वयंसेवकों के भावबल और जीवनबल से चलता है संघ : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने रविवार को कहा कि संघ पूरी तरह स्वयंसेवकों के भावबल और जीवनबल पर चलता है और मानसिकता से हर स्वयंसेवक खुद ही प्रचारक बन जाता है, यही संघ की जीवन शक्ति है।

वह यहां पाथेय कण संस्थान में आयोजित '...और यह जीवन समर्पित' ग्रंथ के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह पुस्तक राजस्थान के 24 दिवंगत संघ प्रचारकों की जीवन गाथाओं का संग्रह है।

भागवत ने कहा, संघ यानी हम लोग स्वयंसेवक हैं। संघ का आधार स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भावबल है। आज संघ बढ़ गया है। कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढी हैं, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं। हमें वैसा ही रहना है जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भावबल से संघ आगे बढ़ेगा।''

संघ के कामकाज का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संघ को केवल दूर से देखकर नहीं समझा जा सकता इसके लिए प्रत्यक्ष अनुभव जरूरी है, जो संघ की गतिविधियों में भाग लेने से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने संघ की तरह शाखाएं शुरू करने की कोशिश की, लेकिन कोई भी शाखा पंद्रह दिन से ज्यादा नहीं चल पाई, जबकि संघ की शाखाएं सौ वर्षों से चल रही हैं और बढ़ रही हैं, क्योंकि उनका आधार स्वयंसेवकों का त्याग और भावबल है।

एक बयान के अनुसार, भागवत ने कहा, ''आज संघ का कार्य समाज में चर्चा और स्नेह का विषय बना हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं।''

उन्होंने कहा, सौ वर्ष पहले कौन सोच सकता था कि इसी तरह शाखा चलाकर राष्ट्र के लिए बड़ा काम हो सकता है? लोग तो कहते थे कि हवा में डंडे घुमा रहे हैं, यह क्या राष्ट्र की सुरक्षा करेंगे? लेकिन आज संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है और समाज में उसकी स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है।

प्रचारकों और वरिष्ठ स्वयंसेवकों के जीवन पर आधारित नए ग्रंथ '...और यह जीवन समर्पित' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुस्तक न केवल गौरव की भावना जगाती है, बल्कि कठिन रास्तों पर चलने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपील की कि वे केवल इस परंपरा को पढ़ें ही नहीं, बल्कि अपने जीवन में भी उतारें। उन्होंने कहा, यदि उनके तेज का एक कण भी हमने अपने जीवन में धारण कर लिया, तो हम भी समाज और राष्ट्र को आलोकित कर सकते हैं।

बीएसएफ ने जैसलमेर में एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया

जयपुर/भाषा। राजस्थान के जैसलमेर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 21 साल के एक युवक को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह कथित तौर पर सीमा के पास संदिग्ध रूप से घूमता हुआ पाया गया था। पुलिस के मुताबिक मोहनगढ़ थानाक्षेत्र में नहरी इलाके पास गश्त के दौरान बीएसएफ जवानों ने संदिग्ध व्यवहार देखकर इस युवक को रोका और उससे पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान युवक ने खुद को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी पंकज कश्यप बताया और कथित तौर पर खुलासा किया कि वह पाकिस्तान जाने की कोशिश कर रहा था। बाद में बीएसएफ ने उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने कहा कि युवक से सोमवार को संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूछताछ की जाएगी।

सहकारिता वर्ष

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत देशभर में मनाये जा रहे 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के तहत राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड द्वारा रविवार को सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट ने की।

मामूली कहासुनी के बाद चचेरे भाई ने काट दी गर्दन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर जिले के किशनगढ़ के बांदरसिंदरी क्षेत्र में शनिवार देर शाम वह हादसा हुआ जिसने पूरे गांव को दहशत और सदमे में डाल दिया। एक मामूली कहासुनी से शुरू हुआ पारिवारिक विवाद इतना भड़क गया कि दो चचेरे भाइयों के बीच चल रहा तनाव आखिरकार खूनी रूप ले बैठा। आरोप है कि इसी आवेश में आकर एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजपाल मीणा पुत्र भागचंद मीणा निवासी बांदरसिंदरी के रूप में हुई है। राजपाल खेती-किसानी करता था और अपने परिवार का मुख्य सहारा था। बताया जा रहा है कि काफी समय से राजपाल और उसके चचेरे भाइयों के बीच जमीन और पारिवारिक विवाद चला आ रहा था। यह विवाद सिर्फ भाइयों तक सीमित नहीं था, बल्कि दोनों पक्षों की महिलाएं 'जो आपस में बहनें हैं' भी इसी तनाव का हिस्सा थीं।

कैसे भड़का विवाद, कैसे हुई हत्या?

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शनिवार शाम घर के भीतर ही दोनों भाइयों के बीच चर्चा तीखी तकरार में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी रामअवतार मीणा, जो मृतक का चचेरा भाई है, आपा खो बैठा और रसोई से धारदार हथियार लेकर राजपाल पर हमला कर दिया। हमले में सबसे घातक वार राजपाल की गर्दन पर किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिवार के सदस्य दौड़े, लेकिन तब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। परिजनों ने तुरंत किशनगढ़ के राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद राजपाल को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दयाराम चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। आरोपी रामअवतार मीणा को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 में

राजस्थान करेगा वैश्विक नेताओं और विशिष्ट प्रवासी सदस्यों का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 का आयोजन करने जा रही है। यह राज्य-स्तरीय उत्सव वैश्विक राजस्थानी समुदाय, उनकी उपलब्धियों और मातृभूमि के साथ उनके संबंधों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। यह आयोजन विचारों, विरासत और सहयोग का एक विशाल संगम प्रस्तुत करेगा, जिसमें दुनिया भर से प्रभावशाली प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे।

इस अवसर पर उद्योग, नीति-निर्माण, नवाचार, शिक्षा, कला एवं संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक सरोकार जैसे विविध क्षेत्रों के विश्व प्रसिद्ध नेता, नीति विशेषज्ञ, नवाचारी, शिक्षाविद, सांस्कृतिक हस्तियाँ और समाजसेवी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में दुनिया भर में अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय पहचान बना चुके अनेक प्रतिष्ठित लीडर्स शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, श्री सीमेंट के चेयरमैन हरी मोहन बांगुर तथा आर.के. मार्बल एवं वंडर सीमेंट के चेयरमैन अशोक पाटनी शामिल हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इसके साथ ही वेलस्पन इंडिया लिमिटेड की सीईओ श्रीमती दीपाली गोयनका, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री संजय अग्रवाल और जेके सीमेंट के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री माधव सिंघानिया भी आयोजन में शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम में हिंदुस्तान ज़िंक की चेयरपर्सन श्रीमती प्रिया अग्रवाल, बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल और आनंद समूह की चेयरपर्सन श्रीमती अंजलि सिंह भी शामिल होंगी।

इसके अतिरिक्त, तितागढ़ रेल सिस्टम्स के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी, वोल्वो ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष कमल बाली, ईज़ मायट्रिप के सीईओ एवं सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी, मोतीलाल ओसवाल एंड कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मोतीलाल ओसवाल तथा केईआई लिमिटेड के चेयरमैन अनिल कुमार गुप्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उनकी उपस्थिति वैश्विक राजस्थानी समुदाय के राज्य के प्रति विश्वास, गर्व और गहरे संबंधों को अभिव्यक्त करेगी।

जोधपुर जिले में टेंपो की ट्रक से भिड़ंत, छह की मौत और 14 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। जोधपुर जिले में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार रविवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग के जोधपुर-बालेसर खंड पर श्रद्धालुओं को ले जा रहा टेंपो अनाज की बोरियों से भरे ट्रक से टकरा गया।

यह दुर्घटना खारी बेरी गांव के पास हुई। बालेसर के थाना प्रभारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा इलाके से लगभग 20 तीर्थयात्रियों को लेकर रामदेवरा जा रहे टेंपो को विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

भाटी ने कहा, ''तीन महिलाओं और तीन अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। उनके शव बालेसर अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिए गए हैं। 14 घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जोधपुर के एमडीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया।''

मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

अजमेर में कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग, हाईवे पर मची अफरा-तफरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर जिले के बांदरसिंदरी से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर कल रात बड़ा हादसा टल गया, जब बड़गांव के समीप होटल सुप्रीमो के पीछे स्थित एक कबाड़ गोदाम में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देर रात लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम से उठती तेज लपटें और काला धुआं दूर हाईवे से भी साफ दिखाई दे रहा था, जिससे हाईवे पर गुजर रहे वाहन चालक भी दहशत में आ गए।

स्थानीय लोगों ने आग और धुएं को देख तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर किशनगढ़ से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। आग इतनी भीषण थी कि दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सिटी फायर टीम के अनुसार गोदाम में बड़ी मात्रा में कबाड़, प्लास्टिक, रबर और अन्य ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई।

आग ने देखते ही देखते गोदाम में रखे हजारों रुपए के सामान को जलाकर राख कर दिया। आग बुझाने के दौरान छोटे-छोटे विस्फोट भी सुनाई दिए, जिनकी वजह गोदाम में रखी ज्वलनशील वस्तुएं बताई जा रही हैं। कड़ी मेहनत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पाया, जिससे आग आसपास के घरों और दुकानों तक फैलने से बच गई।

गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। एहतियात के तौर पर आसपास के लोगों को कुछ समय के लिए बाहर निकलना पड़ा। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य अनजाने कारण की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग आगजनी के कारणों की विस्तृत जांच में जुटे हैं। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने और गोदामों में ज्वलनशील सामग्री के उचित प्रबंधन की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

उत्तरी हवा से राजस्थान में ठंड बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर भारत से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं ने राजस्थान में सर्दी का असर बनाए रखा है। मौसम विभाग ने रविवार को सीकर जिले में कोल्ड-वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं जयपुर और अजमेर संभाग के जिलों में सुबह-शाम शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया जा रहा है। शनिवार को राज्य के 13 शहरों में तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार आगामी दिनों में भी प्रदेश में सुबह-शाम तेज सर्दी और हल्की शीतलहर का असर रहने की संभावना है।

सीकर फतेहपुर में 5डिग्री और सीकर में 5.4डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर, अजमेर और टोंक में सुबह-शाम शीतलहर का प्रभाव देखा गया। नागौर में न्यूनतम तापमान 6.1डिग्री, चूरू 7.9डिग्री, पिलानी 8.5डिग्री, अलवर 8.4डिग्री, वनस्थली (टोंक) 8.6डिग्री, भीलवाड़ा 9.4डिग्री, दौसा 6.9डिग्री और झुंझुनूं 8.6डिग्री रिकॉर्ड हुआ। अजमेर में 10डिग्री, उदयपुर और जोधपुर 10.2डिग्री, जयपुर 12.4डिग्री, कोटा 13.1डिग्री, बाड़मेर 15.4डिग्री, जैसलमेर 12.6डिग्री, बीकानेर 13.6डिग्री, गंगानगर 10.7डिग्री, डूंगरपुर 12.9डिग्री और हनुमानगढ़ में 12.2डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

राज्य में दिन के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज हुई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 1 डिग्री तक गिरा। बाड़मेर 32.4डिग्री के साथ सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर में 30.9डिग्री, फलौदी 30डिग्री, बीकानेर 31.3डिग्री, अजमेर 27.8डिग्री, जयपुर 28.4डिग्री, सीकर 27.5डिग्री और कोटा में 27.8डिग्री दर्ज हुआ। उदयपुर शनिवार को सबसे ठंडा रहा, जहां दिन का अधिकतम तापमान 25.6डिग्री तक रहा।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026, प्रदेश भर में गणना प्रपत्र वितरण के साथ डिजिटाईजेशन में तेजी

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम2026 के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि 13 दिनों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घरघर पहुंचकर न केवल मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए हैं बल्कि गणना प्रपत्र को किस तरह से भरा जाना है, इसकी जानकारी भी दी है।

1.32 करोड़ फॉर्म अपलोड

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भरे हुए प्रपत्रों को डिजिटल स्वरूप में दर्ज करने की प्रक्रिया भी लगातार तेज हो रही है। अब तक 1.32 करोड़ गणना फॉर्म ईसीआईनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं।

डिजिटाइजेशन में बाड़मेर 38% प्रपत्रों को अपलोड करवा कर प्रथम स्थान पर है, तथा सवाई माधोपुर, धौलपुर एवं भरतपुर भी 30% से अधिक प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन के साथ इस तालिका में ऊपर हैं। कोटा 18% के साथ सबसे नीचे स्थान बनाए हुए हैं एवं बूंदी, करौली, डूंगरपुर, झुंझुनूं, जयपुर ऐसे जिले हैं जहां अभी डिजिटाइजेशन का कार्य 20% से कम है।

वीरांगना ऊदा देवी हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाली शहीद ऊदा देवी को नमन करते हुए रविवार को कहा कि वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ रविवार को यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण और स्वाभिमान समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा, नारी और वंचित का सम्मान डबल इंजन' सरकार का मुख्य ध्येय है और वीरांगना ऊदा देवी हमें याद दिलाती हैं कि नारी शक्ति कितनी सामर्थ्यवान है।

उन्होंने कहा, वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। इसलिए इस अवसर पर मैं उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं। उन्होंने विदेशी हुकूमत की चूलों को हिलाने और अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर कर दिया। उनका नाम भारत के इतिहास में अमर हो गया। योगी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भारत माता के हर सपूत को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। अगर आप बेसिक शिक्षा परिषद की पुस्तकों को देखें तो एक अतिरिक्त पुस्तक जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर पर उपलब्ध कराई गई है, ताकि वर्तमान पीढ़ी अपने इतिहास को जान सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने पीएसी की तीन नई महिला बटालियन गठित की और तीनों को 1857 की महान वीरांगनाओं के नाम पर रखा। योगी ने कहा, लखनऊ में स्थापित बटालियन का नाम वीरांगना ऊदा देवी के नाम पर ही रखा गया है। वहां पर हमारी सरकार उनकी आदमकद प्रतिमा की स्थापना का कार्य कर रही है। गोरखपुर में जो महिला बटालियन गठित हो रही है, उसको वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर और बदायूं में जो बटालियन गठित हो रही है उसे वीरांगना अवंती बाई लोधी के नाम पर रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन वीरांगनाओं ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के सामने अपने शौर्य से उन्हें धूल चटाने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि क्रांति की हुंकार भरने के कारण विदेशी हुकूमत ने उन्हें समाज की मुख्यधारा से काटने के लिए अलग-थलग कर दिया और परिणाम यह हुआ कि समाज की मुख्यधारा से कटी कोई भी जाति पिछड़ जाती है और यही स्थिति पासी समाज और अनुसूचित समाज के साथ हुआ। आज 'डबल इंजन' की सरकार इस दिशा में बेहतर पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, लखनऊ में हमारी सरकार के द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का एक स्मारक और सांस्कृतिक केन्द्र के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जिसमें अनुसूचित जाति से जुड़े हुए छात्रों को शोध करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 62 जिलों में 109 सर्वोदय विद्यालय की स्थापना का कार्य या संपन्न हो चुका है या कार्य मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यहां आश्रम पद्धति के अनुरूप छात्र-छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। 18 आवासीय विद्यालय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए मंडल मुख्यालयों पर निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दो लाख 19 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती आठ वर्ष में की और अनिवार्य रूप से 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती अनिवार्य की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर निर्माण किया गया।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की राजधानी लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण किया। दोनों नेताओं ने यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर एक समारोह में ऊदा देवी की प्रतिमा का अनावरण किया। शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी का रविवार को बलिदान दिवस है। वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 के प्रथम भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अपने अदम्य साहस व पराक्रम से 36 अंग्रेज सैनिकों को मारने के बाद वीरगति प्राप्त की थी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

दलित, आदिवासी और महिलाओं के बलिदान को इतिहास में उचित स्थान नहीं मिला : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वामपंथी इतिहासकारों पर दलित नायकों विशेष रूप से पासी समाज के इतिहास की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि दलित, आदिवासी, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों के बलिदान को इतिहास के पन्नों में जो स्थान मिलना चाहिए, वह उचित स्थान उन्हें नहीं मिला है। लखनऊ में पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा के अनावरण और स्वाभिमान समारोह के आयोजन स्थल पर रविवार को लोगों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''दलित, आदिवासी, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों के बलिदान को इतिहास के पन्नों में जो स्थान मिलना चाहिए, वह उचित स्थान उन्हें नहीं मिला है। इन नायकों को न सिर्फ पढ़ाया जाना चाहिए था, बल्कि ऐसे नायकों को पूजा जाना चाहिए था।''

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि ''वामपंथी इतिहासकारों ने अपनी सुविधा से इतिहास लिखा, जिसमें दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता तथा बलिदान को उन्होंने जानबूझकर दरकिनार किया।'' सिंह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि ''पहले की सरकारों में पासी और दलित समाज के नायकों को जो स्थान मिलना चाहिए, वह उन्हें नहीं मिला।'' उन्होंने महाराजा सतन पासी, महाराजा लाखन पासी, महाराजा सुहेलदेव, रानी अवंती बाई और स्वतंत्रता सेनानी ऊदा देवी के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनके नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने चाहिए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन करता हूं कि जो काम वो लोग (पूर्ववर्ती सरकारें) नहीं कर पाए, वह कार्य इस समय योगी जी कर रहे हैं।'' सिंह ने बिना नाम लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि ''भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को इस तरह प्रस्तुत किया गया मानो आजादी की लड़ाई एक ही पार्टी (कांग्रेस) और कुछ विशेष वर्गों ने ही लड़ी और यही धारणा बनाने की कोशिश की गई।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि ''इससे लोगों के मन में यह भ्रम पैदा हो गया कि स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व कुछ गिने चुने परिवारों ने किया, परिणामस्वरूप उन हाशिए पर रहे समुदायों के संघर्ष और बलिदान को नजरअंदाज कर दिया गया, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके योगदान को नकार दिया गया।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा कि ''पासी समाज जैसे समुदाय जिन्होंने अपने पराक्रम, अपने त्याग और संघर्ष से आजादी के आंदोलन को मजबूती दी थी और उसको इतिहास में जो उचित स्थान मिलना चाहिए, वह उन्हें नहीं मिला, जबकि वे भी आजादी की महान यात्रा के समान रूप से भागीदार और उसके नायक रहे।''

मुझ पर धन और टिकट के बदले पिता को गंदी किडनी दान करने का आरोप लगाया गया : रोहिणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने रविवार को आरोप लगाया कि भाई तेजस्वी यादव के कुछ सहयोगी उनके बारे में कह रहे हैं कि मैंने अपने पिता को ''गंदी किडनी'' दी और इसके बदले करोड़ों रुपये व पार्टी का टिकट लिया।

आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने ''परिवार से नाता तोड़ने'' की घोषणा के एक दिन बाद 'एक्स' पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली और आरोप लगाया कि तेजस्वी, राज्यसभा सदस्य संजय यादव और रमीज ने घर से निकालवा दिया''। पिछले साल के आम चुनावों में सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली आचार्य ने कहा, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया...। तेजस्वी और संजय यादव पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, ''सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं। अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे।'' रोहिणी ने कहा, ''...मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा। किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती कभी न करें। किसी घर रोहिणी जैसी बेटी ना हो।'' एक अन्य पोस्ट में लालू प्रसाद की बेटी ने आरोप लगाया, ''कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया... मारने के लिए चप्पल उठाया गया। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज़्ज़ती झेलनी पडी...।''

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 243 नवनिर्वाचित विधायकों की सूची राज्यपाल को सौंपी

पटना/भाषा। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने रविवार को यहां राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को राज्य विधानसभा के 243 नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची सौंपी। सूची में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 89, जनता दल (यूनाइटेड) के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर)के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चार नवनिर्वाचित विधायकों के नाम शामिल हैं। सीईओ द्वारा सौंपी गई सूची में विपक्षी महागठबंधन' के घटकों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के 25, कांग्रेस के छह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दो और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक नवनिर्वाचित विधायकों के नाम हैं। इसके अलावा, सूची में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पांच विधायकों, इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा)के एक-एक विधायक के नाम का उल्लेख है। सीईओ कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सीईओ ने प्रधान सचिव अरविंद आनंद और अन्य अधिकारियों के साथ बिहार विधानसभा के 243 नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची बिहार के राज्यपाल को सौंपी।'' इसके साथ ही सोशल मीडिया पर सूची सौंपने की तस्वीर भी साझा की गई।

असम के मंत्री के विवादास्पद 'गोभी की खेती' पोस्ट की थरूर ने निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि में गोभी की खेती को मंजूरी' से संबंधित असम के मंत्री अशोक सिंघल की टिप्पणी से विवाद उत्पन्न हो गया है और विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह 1989 में भागलपुर में मुसलमानों की ''हत्या का महिमामंडन'' है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पोस्ट की रविवार को निंदा करते हुए कहा कि न तो हिंदू आस्था और न ही राष्ट्रवाद ऐसे नरसंहारों को उचित ठहराता है या उनका समर्थन करता है, उनकी सराहना करना तो दूर की बात है।

विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत के बाद, सिंघल ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक फूलगोभी के खेत की तस्वीर पोस्ट की थी, बिहार ने गोभी की खेती को मंज़ूरी दे दी है। इसपर कई लोगों ने ऑनलाइन कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि फूलगोभी की यह तस्वीर बिहार के 1989 के भागलपुर हिंसा का परोक्ष तौर पर संदर्भ है, जिसमें कई मुसलमानों को मार डाला गया था और उन्हें खेत में दफना दिया गया था, जहां बाद में शव छिपाने के लिए फूलगोभी के पौधे लगा दिए गए थे। एक 'एक्स' उपयोगकर्ता ने सिंघल की पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा, एक कैबिनेट मंत्री एक चुनावी जीत का जश्न मनाने के लिए 116 मुसलमानों के नरसंहार का महिमामंडन कर रहे हैं।

उन्होंने थरूर को टैग करते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुछ प्रभावशाली हिंदू नेताओं से बिहारी मुसलमानों के खिलाफ किए गए सबसे बुरे नरसंहारों में से एक की निंदा करवा सकते हैं। थरूर ने पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं कोई सामुदायिक आयोजक नहीं हूं, इसलिए संयुक्त बयान देना मेरा काम नहीं है, लेकिन समावेशी भारत के एक उत्साही समर्थक और एक गौरवान्वित हिंदू के रूप में, मैं अपनी ओर से और अपने जानने वाले अधिकांश हिंदुओं की ओर से यह कह सकता हूं कि न तो हमारा धर्म और न ही हमारा राष्ट्रवाद ऐसे नरसंहारों की मांग करता है, न उन्हें उचित ठहराता है और न ही उनका समर्थन करता है और उनकी सराहना करना तो दूर की बात है।

जब एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा कि उन्होंने इस पोस्ट की निंदा नहीं की, तो थरूर ने जवाब दिया, ''मैंने बिल्कुल यही किया। मैंने इसकी निंदा की है।'' कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा था कि बिहार चुनाव परिणाम के मद्देनजर असम के एक मौजूदा कैबिनेट मंत्री द्वारा ''गोभी की खेती'' वाली तस्वीर का इस्तेमाल राजनीतिक विमर्श में एक चौंकाने वाला नया निचला स्तर है। गोगोई ने कहा, यह असभ्य और शर्मनाक दोनों है। यह तस्वीर 1989 के लोगैन नरसंहार से व्यापक रूप से जुड़ी हुई है, जिसमें भागलपुर हिंसा के दौरान 116 मुसलमानों की हत्या कर दी गई थी और उनके शवों को फूलगोभी के पौधों के नीचे छिपा दिया गया था।

दिल्ली में हुए विस्फोट के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाला एक और व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दिल्ली में हाल ही में हुए विस्फोट के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिससे इस संबंध में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 21 हो गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आतंकवादियों को ऑनलाइन समर्थन देने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। शर्मा ने शनिवार देर शाम एक पोस्ट में कहा, ''असम पुलिस ने एक और राष्ट्रविरोधी को गिरफ्तार किया है जिससे गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 21 हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''हम दिल्ली आतंकी हमले के आतंकवादियों का ऑनलाइन समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'' पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए 21 लोग असम के विभिन्न जिले से हैं इनमें कामरूप और बोंगाईगांव से तीन-तीन, चिरांग, लखीमपुर, और बारपेटा से दो-दो, तथा दरांग, ग्वालपाडा, नलबाड़ी, हैलाकांडी, होजई, दक्षिण सालमारा, कोकराझार, बजाली, और धुबरी से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं।

जन सुराज की चुनावी हार : सियासी अखाड़े में उतरने वाले कुछ ही सफल होते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की हार ने इस बात को रेखांकित किया है कि अक्सर कई नये राजनीतिक दल अपनी किस्मत आजमाने के लिए सियासी अखाड़े में उतरते हैं लेकिन उनमें से कुछ ही सफल हो पाते हैं। हालांकि, जन सुराज पार्टी शिकस्त का सामना करने वाले दलों की इस फेहरिस्त में नया नाम है लेकिन अन्य पार्टियां भी हैं जो चर्चा के केंद्र में रही थीं लेकिन सफल नहीं हो पाईं। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्कल नीधि मैयम ऐसा ही एक उदाहरण है। 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में उसका खाता तक नहीं खुला था।

वहीं, अब सबकी निगाहें तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पर टिकी हैं, जिसकी स्थापना अभिनेता से नेता बने विजय ने पिछले साल की थी। हालांकि, फिल्म कलाकारों द्वारा गठित कई राजनीतिक दल दक्षिण भारत में पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में इस पर सभी की नजर रहेगी। पूर्व कांग्रेस नेता और राजनीतिक विश्लेषक संजय झा ने कहा कि नये राजनीतिक दल को आगे बढ़ने में कठिनाई होती है, क्योंकि वैचारिक स्पष्टता हासिल करने में समय लगता है। बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी की प्लुरल्स' पार्टी जैसे बहुत छोटे राजनीतिक दल भी हैं। उनकी पार्टी ने बिहार में लगातार दो विधानसभा चुनाव लड़े हैं, लेकिन दोनों में उसे कोई सफलता नहीं मिली। इसके अलावा, कुछ छोटी पार्टियां हैं जिनकी सीमित महत्वाकांक्षाएं हैं। वे जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा हैं।

उत्तर प्रदेश में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) जैसी पार्टियां हैं। भारत में नये-नये राजनीतिक दलों का गठन होता रहता है और चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अक्सर वे गायब हो जाते हैं। लेकिन किशोर के जन सुराज के बारे में फिलहाल ऐसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि इसने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी थी और कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि यह आम आदमी पार्टी (आप) की तरह ही (बिहार) उभर सकती है। हालांकि, मीडिया में इसे लेकर जो उत्साह था वह मृगतृष्णा साबित हुआ क्योंकि पार्टी (जन सुराज) चुनाव में बुरी तरह हार गई और खाता तक नहीं खोल सकी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जन सुराज के ज़्यादातर उम्मीदवारों को कुल डाले गए वोटों के 10 प्रतिशत से भी कम वोट मिले और उनकी ज़मानत ज़ब्त हो गई। अपवादों को छोड़कर, भारत में जिन पार्टियों ने पैर जमाए हैं, उन्हें मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बांटा गया है - किसी आंदोलन से उपजी और किसी नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द केंद्रित तथा किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या किसी विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित।

किशोर एक जानी-मानी हस्ती हैं, लेकिन वे उन लोगों से अलग हैं जिन्होंने चुनावी राजनीति में अतीत में सफलता पाई। उनमें से ज़्यादातर फ़िल्म कलाकार या स्थापित राजनेता थे जो अपनी मूल पार्टियों से अलग हो गए थे। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नज़र डालें तो छह राष्ट्रीय दल हैं- भाजपा, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और आम आदमी पार्टी (आप)। माकपा का गठन एक विशेष विचारधारा को केंद्र में रखकर किया गया था। एनपीपी का गठन एक जाने-माने राजनेता (पी ए संगमा) ने किया था जो अपनी मूल पार्टी से अलग हो गए थे। बसपा का गठन दलितों की पैरोकारी के लिए किया गया था और आम आदमी पार्टी 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन से उभरी थी। वर्ष 1982 में क्षेत्रीय तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के उदय के बाद से कुछ ही नये राजनीतिक दलों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वह भी फिल्म अभिनेता एन टी रामाराव की लोकप्रियता पर आधारित थी।

बाद में कुछ पार्टियां अपनी मूल पार्टी से अलग हुई किसी राजनीतिक हस्ती के कारण जैसे कि ममता बनर्जी, या वंशवादी पृष्ठभूमि (नवीन पटनायक और असदुद्दीन ओवैसी) को लेकर क्षेत्रीय ताकत बनकर उभरी हैं। हालांकि, एआईएमआईएम का गठन बहुत पहले हुआ था, लेकिन इसे ओवैसी के नेतृत्व में लोकप्रियता मिली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राकांपा (एसपी) और शिवसेना (उबाठा) जैसी अन्य पार्टियां भी ऐसे उदाहरण हैं जो इन दो श्रेणियों में से किसी एक में आती हैं - अलग हुए गुट या वंशवादी। विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) दलितों की सुरक्षा के लिए एक आंदोलन के इर्द-गिर्द गठित हुई थी और तमिलनाडु में इसे सीमित सफलता मिली है। चुनाव विश्लेषक और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) के पूर्व निदेशक संजय कुमार इस धारणा पर विश्वास नहीं करते कि राजनीतिक 'स्टार्टअप' उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत में अधिक सफल होते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह विशिष्ट कारकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपको एक ऐसी पृष्ठभूमि की जरूरत होती है जिसके आधार पर एक नई पार्टी बनाई जा सके।

सुविचार

दुश्मन बनाने के लिए किसी से लड़ने की जरूरत नहीं, आप मेहनत करके कामयाब हो गए तो दुश्मनों की लाइन स्वयं लग जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनादेश को खुले दिल से स्वीकार करें

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों की समानता उत्तर कोरिया, रूस और चीन के 'चुनावों' से करते हुए जनादेश का अपमान किया है। इन तीनों देशों में कितना लोकतंत्र है? है भी या नहीं? क्या भारत के सबसे पुराने राजनीतिक दल के वरिष्ठ नेता यह नहीं जानते? पिछले कुछ वर्षों से राजनीति में एक खतरनाक चलन देखा जा रहा है जो लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। कुछ राजनीतिक दल चुनाव हारने के बाद अपने प्रयासों में कमी को स्वीकार करने के बजाय सारा दोष चुनाव आयोग, ईवीएम और मतदाताओं पर डाल देते हैं। वे यह प्रदर्शित करते हैं कि 'हम अपनी जगह सही हैं, गलती इस व्यवस्था की है।' वे जब हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीतते हैं तो उन्हें ईवीएम ठीक लगती है, सबकुछ ठीक लगता है। जब राजस्थान में चुनाव हार जाते हैं तो ईवीएम में खोट नजर आता है! जब तेलंगाना में चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम ठीक हो जाती है। जब छत्तीसगढ़ में चुनाव हार जाते हैं तो सब जगह गड़बड़ नजर आती है! ऐसे ही स्वर बिहार चुनाव के बाद सुनाई दे रहे हैं। इस जनादेश को खुले दिल से क्यों नहीं स्वीकार करते? यह कहने से कोई छोटा नहीं हो जाता कि 'हमें जनता का आशीर्वाद नहीं मिला, हमारे प्रयासों में कोई कमी रही होगी, अब भविष्य में अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगे।' उ. कोरिया, रूस और चीन में सरकार की जरा-सी भी आलोचना को बर्दाश्त नहीं किया जाता। किम-जोंग-उन के कारनामे दुनियाभर में मशहूर हैं। सारी दुनिया जानती है कि पुतिन के कई राजनीतिक विरोधी एक-एक कर गायब हो चुके हैं। चीन में शी जिनपिंग के खिलाफ बयान देकर कोई व्यक्ति कितने दिनों तक सुरक्षित रह सकता है? वहीं, बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के लिए घोर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था! अगर कोई व्यक्ति ऐसे शब्द उ. कोरिया, रूस या चीन में रहते हुए उनके राष्ट्राध्यक्षों के संबंध में बोल दे तो उस पर ऐसा दुर्भाग्य टूट पड़ेगा, जिसकी वह कल्पना नहीं कर सकता।

बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों को लेकर बड़े-बड़े विश्लेषक हैरान हैं। कुछ तो यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि राजग की इतनी सीटें आ सकती हैं। उन्हें लगता है कि कहीं-न-कहीं बहुत बड़ी साजिश हुई है। हालांकि इन नतीजों को समझना इतना मुश्किल भी नहीं है। जनता ने अनेक बार विश्लेषकों को चौंकाया है। कई विश्लेषकों के साथ यह समस्या है कि वे तटस्थ नहीं हैं। वे किसी नेता, पार्टी, राजनीतिक विचारधारा की ओर झुकाव रखते हैं। कई तो आज भी तीस-चालीस साल पुराने समीकरणों को मौजूदा हालात में फिट करने की नाकाम कोशिश करते हैं और नतीजे आने के बाद भ्रम फैलाते हैं। उन्हें लगता है कि जैसे अस्सी और नब्बे के दशक में लोग अपनी-अपनी जातियों के उम्मीदवारों को ही वोट देते थे, उसी तरह आज देते होंगे। उनका ख़याल है कि आज भी गांव-देहात की महिलाओं को चुनावी राजनीति की ज्यादा जानकारी नहीं है और वे अपने ससुर, जेठ, पति आदि के कहने पर वोट देती हैं। कुछ नेताओं को यह भ्रम है कि वे लोकलुभावनी घोषणाएं कर देंगे तो जनता उन पर आंखें मूंदकर विश्वास कर लेगी। अब सबके पास मोबाइल फोन है, जिस पर वे चुटकियों में उन घोषणाओं की हकीकत जान सकते हैं। बिहार के मतदाताओं ने ऐसे विश्लेषकों और नेताओं के साथ ही एक मशहूर चुनावी रणनीतिकार को फेल कर दिया। प्रशांत किशोर सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर खूब छाए रहे। कुछ लोग उन्हें बिहार का 'चाणक्य' तक कहने लगे थे। उनकी जन सुराज पार्टी के ज्यादातर उम्मीदवार अपनी जमानतें जब्त करवा बैठे हैं! इन नतीजों ने साबित कर दिया है कि चुनाव में जनता से बड़ा रणनीतिकार कोई नहीं होता है। अगर जनता किसी को विजयश्री का आशीर्वाद देना चाहे तो कोई गठबंधन और रणनीतिकार उसे नहीं रोक सकता।

ट्वीटर टॉक

भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने आदिवासी समाज की आवाज बनकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा, आज भी जनजातीय अस्मिता के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, तो यह सिर्फ एक दिन नहीं था, बल्कि उस स्वाभिमान का उत्सव था, जो सदियों से दबा था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अंता की जनता-जनार्दन को हृदय से प्रणाम, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अपना अपार विश्वास जताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी श्री प्रमोद भाया जी को प्रचंड जीत दिलाई। यह जीत हर कांग्रेस कार्यकर्ता की तपस्या, समर्पण और अथक परिश्रम की जीत है। अंता की जनता ने अपने मत से न सिर्फ सत्य और सेवा को चुना, बल्कि भाजपा के सरकार के कुशासन और अहंकार पर करारा प्रहार भी किया है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

ज़िंदगी की असली जगह

एक दिन दर्शनशास्त्र के एक बुज़ुर्ग अध्यापक अपनी कक्षा में आए। उनके हाथ में एक खाली काँच का जार था।

वे मुस्कुराए और बोले, बच्चो, आज मैं तुम्हें ज़िंदगी का एक छोटा-सा राज़ बताने आया हूँ। उन्होंने जार में बड़े-बड़े पत्थर डाल दिए। पूछा, क्या यह भर गया? सबने कहा, हाँ। फिर उन्होंने छोटे-छोटे कंकड़ उठाए और जार में डाल दिए। कंकड़ पत्थरों के बीच की जगह में समा गए। उन्होंने फिर पूछा, अब भर गया? सब बोले, हाँ, अब तो पूरा भर गया!

अंत में अध्यापक ने रेत उठाई और जार में डाल दी। रेत हर छोटी जगह में फैल गई। उन्होंने फिर पूछा, और अब? कक्षा एक सुर में बोली, जी, अब तो पूरी तरह भर गया! अध्यापक ने जार को मेज़ पर रखा और धीमी आवाज़ में बोलेयह जार तुम्हारी ज़िंदगी है।

इनमें पड़े बड़े पत्थर तुम्हारी ज़िंदगी की सबसे कीमती चीज़ें हैंतुम्हारा परिवार, तुम्हारे माता-पिता, तुम्हारा जीवनसाथी, बच्चे, सेहत और सच्चे रिश्ते। कंकड़ वे चीज़ें हैं जो ज़रूरी तो हैं, पर जीवन का आधार नहीं जैसे काम, घर, धन-दौलत।

और रेत? रेत उन छोटी-छोटी बातों की निशानी है दैनिक उलझनें, छोटी चिंताएँ, दिखावा, ग़ैर-ज़रूरी चीज़ें। अगर तुम पहले अपनी ज़िंदगी को रेत से भर लोगे, तो बड़े पत्थरोंयानी असली रिश्तों और खुशीके लिए कभी जगह ही नहीं बचेगी। इसलिएपहले उन चीज़ों को प्राथमिकता दो जो सच में मायने रखती हैं।

परिवार के साथ बैठो, मुस्कुराओ, सेहत का ध्यान रखो, और उन लोगों से प्यार करो जो तुम्हारे अपने हैं। बाकी सब चीज़ें? वे तो बस रेत हैं।

सामयिक

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फेंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को कागजी गणित' साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बड़ा है। 'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धड़कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

नजरिया

ट्रम्प टैरिफ को भारत ने निष्प्रभावी कैसे किया?

आचार्य श्रीहरि

मोबाइल : 9315206123

डोनाल्ड ट्रम्प ने जब भारत पर अनावश्यक और भारी टैक्स लगाया था तब दुनिया की प्रतिक्रिया बहुत ही नकरात्मक थी और भारत को हतोत्साहित करने वाली थीं। दुनिया की समझ थी कि भारत ट्रम्प टैरिफ को झेल नहीं पायेगा, भारत की अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, उद्योग-फैक्टरियां बंद हो जायेगी, लोग बेरोजगार हो जायेंगे, बेरोजगार लोग सडकों पर उतरेंगे और नरेन्द्र मोदी की सत्ता का संहार कर देंगे। नरेन्द्र मोदी की सरकार के सामने सबसे बडी चुनौती होगी कि वह बेरोजगारों के आक्रोश का नियंत्रण कैसे करेगे? सही भी यही था कि बेरोजगारी के नाम पर जेन जी आंदोलन दुनिया के कई हिस्सों में चर्चित रहा था, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि सत्ता पलटने का माध्यम बन गया था। भारत के पडोसी देशों जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में जेन जी ने अपना प्रभाव दिखाया था और अपने आंदोलन के तेज से जड जमायी हुई सरकार और सत्ता को उखाड फेका था। इसलिए भारत के सत्ता विरोधियों ने खुली घोषणा कर रखी थी कि नरेन्द्र मोदी अमेरिका के टैरिफ युद्ध में पराजित हो जायेंगे और भारत की अर्थव्यवस्था का विध्वंस कर देंगे।

संयम सबसे बडा प्रतिकार होता है, हथियार होता है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संयम दिखाया था, जवाबी प्रतिक्रिया में उलझने से बचने का कार्य किया था और पहले देखो उसके बाद प्रतिक्रिया दो, फिर जवाबी कदम उठाओ की नीति अपनायी थी। बिना प्रभाव को देखे ही कदम उठा लेना या फिर किसी टैरिफ युद्ध में उलझ जाना भी समझदारी की बात नहीं हो सकती है। डोनाल्ड टम्प का गुस्ता, उनकी तुगलकी चाल में कितना दम है, यह देखना जरूरी था। फिलहाल यह कहा जा सकता है कि ट्रम्प टैरिफ को निष्प्रभावी करने के लिए भारत को कोई खास नीतियां नहीं बनानी पडी, कोई उलझन पूर्ण परिस्थियां नहीं बनानी पडी, सावधानियां और धैर्य भारत के लिए वरदान साबित हुआ और भारत ने अपनी टैरिफ कूटनीति का लोहा मनवा लिया।

टैरिफ नीति अमेरिका और ट्रम्प के लिए भी घातक सिद्ध हुई, मंहगाई बढाने वाली और अर्थव्यवस्था को चैपट करने वाली आत्मघाती साबित हुई। ट्रम्प के खिलाफ आक्रोश उत्पन्न हो गया, महंगाई से लोग परेशान हो गये। ट्रम्प को टैरिफ प्रतिशत घटाने के लिए बाध्य होना पडा। ट्रम्प ने कॉफी, केला, टमाटर, बीफ, जेनेरिक दवाओं सहित दो सौ से अधिक खाध वस्तुओं पर टैरिफ घटाई है। आम, अनार, चाय और जेनरेटिक दवाओ पर टैरिफ घटने से भारत को लाभ होगा। भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बडा निर्यातक है। ट्रम्प टैरिफ का कितना प्रभाव पडा भारत पर? इसका कोई सटीक आकलन तो नहीं है पर यह कहा जा सकता है कि ट्रम्प के मंसूबे पूरे नहीं हुए, भारत विरोधियों की इच्छाएं पूरी नहीं हुई, भारत के अंदर नरेन्द्र मोदी के विरोधियों के बगावत होने जैसी उनकी धारणाएं पूरी नहीं हुई। कहने का अर्थ यह है कि कोई हाहाकारी और बाध्यकारी प्रभाव नहीं पडा। भारतीय औद्योगिक इंकाइयों की उत्पादन प्रक्रियाएं ठप नहीं हुई, उनकी उत्पादन प्रक्रियाएं टैरिफ युद्ध की पूर्व की तरह चलती रहीं। मजदूरों और तकनीकी समूहों को बेरोजगार होने की जरूरत नहीं पडी। औद्योगिक इंकाइयों और मजदूर समूहों को यह मालूम था कि यह ट्रम्प का तुगलकी फरमान है, टम्प की सनक है, चैधराहट का कदम है जो थोडे दिनों में खुद ही दम तोड देगा, खुद ही ध्वस्त हो जायेगा। अगर अमेरिका में कोई परेशानी होगी, भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिकुल असर पडा तो फिर अन्य मार्केट की ओर कदम रखना होगा। भारत सरकार ने बहुत ही सावधानी से खेल खेला। अमेरिका पर ध्यान देने की जगह अन्य क्षेत्रों पर ध्यान देना शुरू कर दिया। सिर्फ अमेरिका ही एक बाजार नहीं है, अमेरिका के अलावा भी दुनिया में कई बाजार है, ऐसे भी अमेरिकी बाजार पर भारत का एकाधिकार नहीं रहा है, अमेरिका के बाजार पर चीन का एकाधिकार रहा है, कनाडा, ब्राजील और बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया की भी अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी है। भारत ने यूरोप के छोटे-छोटे देशों की ओर देखना शुरू कर दिया, अफ्रीका देशों में बाजार की अपार संभावनाएं हैं, जहां पर चीनी एक छत्र राज के सामने अपना प्रभाव जमाया जा सकता है और अपनी जगह बनायी जा सकती है, मिडिल इस्ट का बाजार भी महत्पूपर्ण है, भारत पिछले कई सालों से पूर्व की ओर देखो की नीति अपना रखी है।

नरेन्द्र मोदी ने टम्प टैरिफ को निष्प्रभावी करने के लिए एक ऐसा ब्रम्हास्त्र खोजा जिसकी लोग कल्पना ही नहीं की थी। वह ब्रम्हास्त्र स्वदेशी का है। नरेन्द्र मोदी की समझ थी कि स्वदेशी के ब्रम्हास्त्र से डोनाल्ड ट्रम्प को पराजित किया जा सकता है, उनकी हेकडी को तोडा जा सकता है, उनकी चैधराहट को बेअसर किया जा सकता है और भारत अपनी स्वतंत्र कूटनीति और राष्ट्रीयता का डंका दुनिया के सामने बजा सकता है। नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील कर डाली, कह दिया कि स्वदेशी अपनाओ और राष्ट्र को जींवत रखो। स्वदेशी का मंत्र अचूक है। स्वदेशी का मंत्र अचूक कैसे है? हम दुनिया की सबसे बडी आबादी वाला देश हैं। हमारी जनसंख्या 140 करोड से उपर है। पूरे यूरोप की आबादी से बडा तो हमारा उत्तर प्रदेश है। चीन भी हमारी आबादी के सामने पीछे है। इसलिए हमारे पास घरेलू बाजार की अपार संभावनाएं हैं। अगर स्वदेशी का अभियान सफल हो गया तो फिर कई अमेरिकी कंपनियों का ही नहीं बल्कि चीनी, जापानी, कोरियाई और यूरोपीय कपंनियों का बाजा बज सकता है। हमारी अर्थव्यवस्था का एक बडा आधार घरेलू मार्केट भी है। नरेन्द्र मोदी का स्वदेशी अभियान ने देशवासियों का ध्यान भी खींचा। देशवासी नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अभियान से भी जुड़े। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर जोहो मेल को अपना लिया। जोहो मेल स्वदेशी मेल है जो गूगल, जीमेल, याहू आदि को चुनौती दे रहा है। अमित शाह ने जैसे ही अपना जोहो मेल को सार्वजनिक किया और सोशल मीडिया पर लिखा कि मैने स्वदेशी जोहो मेल को अपना लिया है और मुझसे इस जोहो मेल पर संपर्क किया जा सकता है, संवाद किया जा सकता है वैसे ही जोहो मेल भारत में विख्यात हो गया, लाखों-करोडों ने जीमेल आदि विदेशी कंपनियों की जगह जोहो मेल को अपना लिया। जोहो मेल की बढती साख और बढता प्रसार अमेरिकी कपंनियों के लिए चिंता के विषय हैं और इसके लिए वे भारत को दोषी कम समझते हैं और डोनाल्ड ट्रम्प को ज्यादा दोषी मानते हैं। संकट में भी अवसर आता है, अवसर को देखने और आकलन की शक्ति होनी चाहिए।

वास्तव में ट्रम्प की टैरिफ चौधराहट का ही नमूना था और भारत को झुकाने और भारत पर चैधराहट लादने का हथकंडा था। निशाना कहीं ओर था। निशाना रूस और ब्लादमीर पुतिन थे। पुतिन का यूक्रेन युद्ध इसके पीछे कारण था। भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से ईंधन खरीद रहा था। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस ने सस्ता ईंधन बेचना शुरू कर दिया था। खासकर भारत को और भी सस्ता ईंधन बेच रहा था। सस्ते ईंधन खरीद कर भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया ही इसके अलावा भारत ने अपने नागरिकों को राहत दिया। भारत के नागरिक ईंधन समस्याओं से ग्रसित रहे हैं, मंहगे ईंधन का अर्थ नागरिकों के सुंदर भविष्य पर प्रहार करना। महंगे ईंधन से महंगाई बढती है और जेब खाली होती है। भारत ने सस्ते तेल खरीद कर बेचा भी। अमेरिका और यूरोप को यह स्वीकार नहीं हुआ कि उनके हितों को बलि देकर भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करे और राष्ट्रीय बचत करे। सस्ते तेल को बेचकर पैसे कमाये। अमेरिका ने पहले भारत को धमकाया, डराया और प्रतिबंधों का प्रहार किया। लेकिन भारत डरने का कार्य नहीं किया। भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया। फिर डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ युद्ध का सहारा लिया और पाकिस्तान का समर्थन कर दियां। भारत ने टैरिफ युद्ध के सामने भी समर्पण करने से इनकार कर दिया और रूस के साथ ईंधन खरीदना बंद नहीं किया। भारत ने इधर रूस के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक दोस्ती भी प्रगाढ की है, जिसकी चिंता अमेरिकी कूटनीतिज्ञ को हो रही है। भारत अब ऐसी स्थिति में है कि वह अमेरिकी टैरिफ हथकंडे के सामने बिना झुके सौदेबाजी-समझौते बाजी कर सकता है। क्योंकि ट्रम्प टैरिफ पूरी तरह निष्प्रभावी हो गया है। अमेरिका के सामने लाभ लेने की संभावनाएं बची नहीं है। इसलिए टैरिफ के प्रश्न पर अमेरिका और भारत के बीच कोई समझौता और सहमति बनती है तो फिर भारत के हित सुरक्षित ही होंगे। ऐसी परिस्थितियां भारत की आर्थिक शक्ति और कूटनीतिक महाशक्ति होने के संकेत देती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आधी भारतीय कंपनियां एआई पर निर्भर, लेकिन बजट अभी भी कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईवाई-सीआईआई की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग आधी भारतीय कंपनियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सक्रिय रूप से तैनाती कर रही हैं। इनमें से 47 प्रतिशत ने बताया कि अब उत्पादन में कई तरह से जनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में पाया गया कि एआई की संभावनाओं में दृढ़ विश्वास के बावजूद इनमें निवेश का स्तर कम बना हुआ है। करीब 95 प्रतिशत कंपनियों का एआई और एमएल (मशीन लर्निंग) बजट, उनके कुल आईटी खर्च के 20 प्रतिशत से कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ''लगभग आधे भारतीय उद्यमों (47 प्रतिशत) के पास अब जनरेटिव एआई (जेनएआई) के उपयोग के कई मामले मौजूद हैं, जबकि 23 प्रतिशत शुरुआती चरण में हैं।'' भारतीय उद्योग एआई को अपने मुख्य व्यावसायिक कार्यक्रमों में

शामिल करके मजबूत आत्मविश्वास दिखा रहे हैं। करीब 76 प्रतिशत उद्यमियों का मानना है कि जेनएआई का महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रभाव होगा, और 63 प्रतिशत इसका प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए तैयार हैं।

ईवाई-सीआईआई की रिपोर्ट 'द एआईडिया ऑफ इंडिया : आउटलुक 2026' 20 से अधिक उद्योगों में फैले 200 भारतीय संगठनों के सर्वेक्षण पर आधारित है। इनमें सरकारी निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्टार्टअप, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) और बहुराष्ट्रीय निगमों की भारतीय शाखाएं शामिल हैं। एआई और मशीन लर्निंग को लेकर बढ़ते आशावाद के बावजूद इन पर खर्च अपेक्षाकृत सीमित बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक 95 प्रतिशत से ज्यादा संगठन अपने आईटी बजट का 20 प्रतिशत से भी कम एआई पर खर्च करते हैं। इससे पता चलता है कि एआई की क्षमता में अत्यधिक भरोसे के बावजूद ज्यादातर कंपनियां इस पर निवेश करने में सावधानी बरत रही हैं।

यूक्रेन और रूस युद्धबंदियों की अदला-बदली पर काम कर रहे हैं : जेलेंस्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि यूक्रेन और रूस कैदियों की अदला-बदली फिर से शुरू करने के लिए काम कर रहे हैं और इससे 1,200 यूक्रेनी कैदियों की वापसी संभव होगी।

जेलेंस्की का यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख द्वारा वार्ता में प्रगति की घोषणा के एक दिन बाद आया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर कहा, ''हमें ... युद्धबंदियों की अदला-बदली की प्रक्रिया बहाल होने का भरोसा है। यह सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में कई बैठकें, वार्ताएं और फोन पर बातचीत हो रही हैं।'' यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में युद्धकैदियों की अदला-बदली दोबारा शुरू करने के लिए बातचीत की है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष तुर्किये की मध्यस्थता से 1,200 यूक्रेनियों को रिहा करने के लिए कैदी विनिमय समझौतों को बहाल करने पर सहमत हुए हैं। रूस ने इस दावे पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। एक अन्य घटनाक्रम में, यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि उसके ओडेसा क्षेत्र में रविवार रात तक रूसी ड्रोन हमलों से ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचा। क्षतिग्रस्त स्थलों में एक सौर ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को बताया कि रूस ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कुल 176 ड्रोन हमले किये और एक मिसाइल दागी। उसने दावा किया कि यूक्रेन ने 139 ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसके बलों ने गत रात यूक्रेन की ओरे से किए गए 57 ड्रोन हमले नाकाम कर दिये।

अजय देवगन की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 23.22 करोड़ रुपए की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत फिल्म दे दे प्यार दे 2 ने प्रदर्शन के पहले दो दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। इस फिल्म में आर माधवन भी हैं। यह फिल्म 2019 में प्रदर्शित हुई दे दे प्यार दे का सीक्वल है। अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित दे दे प्यार दे 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। सिंह ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह खबर साझा की। इसमें फिल्म का पोस्टर साझा किया गया था जिस पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े लिखे हुए थे।

फिल्म ने पहले दिन 9.45 करोड़ रुपये की कमाई की और दूसरे दिन 13.77 करोड़ रुपये अर्जित किए। अब तक फिल्म का कुल कलेक्शन 23.22 करोड़ रुपये हो गया है। पोस्टर पर लिखा था, इमोशन भी, एंटरटेनमेंट भी, बॉक्स ऑफिस भी! दूसरा दिन, 13.77 करोड़। दे दे प्यार दे की कहानी 50 वर्षीय अमीर व्यक्ति आशीष (देवगन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने से आधी उम्र की आयशा (सिंह) से प्यार करता है।

हालांकि, उनके रिश्ते को उसके परिवार और उसकी पूर्व पत्नी, मंजू (तब्बू) द्वारा नापसंद किया जाता है। सीक्वल में आशीष और आयशा की कहानी आगे बढ़ती है, जो अब उसे अपने परिवार से मिलवाने ले जाती है। इसका निर्माण लव फिल्म्स और भूषण कुमार की टी-सीरीज ने किया है। रंजन ने अंकुर गर्ग के साथ मिलकर इसकी पटकथा लिखी है।

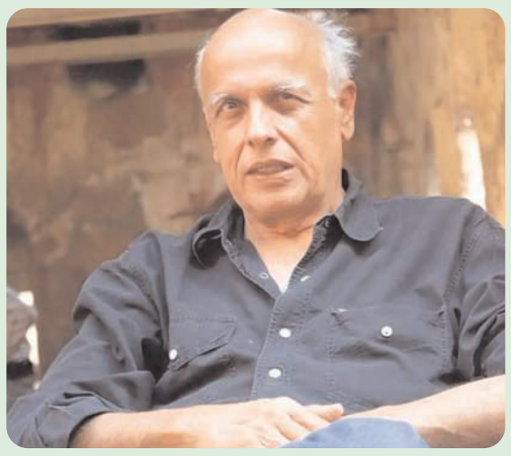

यह अंधकारमय समय है, आप नक्कारखाने में तूती की आवाज बन गए हैं : महेश भट्ट

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्माता महेश भट्ट का कहना है कि मुख्यधारा के मनोरंजन व्यवसाय का मूल स्वभाव लोगों का अधिक से अधिक ध्यान खींचना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के पैठ जमाने और इसके तेजी से बढ़ने के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। भट्ट शनिवार को कपिल सिब्बल के साथ एक परिचर्चा में शामिल हुए जहां उन्होंने मीडिया में मनोरंजन की वर्तमान स्थिति पर बात की और इसे मनोरंजन उद्योग के लिए ''अंधकारमय समय'' बताया।

उन्होंने कहा,'' मुख्यधारा के मनोरंजन व्यवसाय का मूल स्वभाव ही अधिक से अधिक प्रशंसा बटोरना और ध्यान आकर्षित करना है। जब से हमने इस डिजिटल युग में कदम रखा है और सोशल मीडिया आया है, व्यवस्था की आपको दबाने, संगठित होने और आपके खिलाफ मोर्चा खोलने की शक्ति इतनी प्रबल हो गई है कि आप नक्कारखाने में तूती की आवाज बन गए हैं।'' 'सारांश', 'सड़क' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता ने कहा, ''आप वास्तव में संख्याएं बताने जा रहे हैं और शुरू करने से पहले ही आप रौंद दिए जाते हैं। इसलिए मैं कहूंगा कि यह अंधकारमय समय है।'' भट्ट ने 'एल्गोरिदम' और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर भी चिंता व्यक्त की जो लोगों को सुरक्षित खेलने और भावुक विचारों को दबाने पर मजबूर करते हैं।

उन्होंने बताया कि पहले जो लोग बोलने की हिम्मत कर पाते थे उन्हें अब अलग-थलग कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''ऐसी बहुत कम फिल्में थीं जो खुलकर अपनी बात रख पाती थीं। जो कहने की हिम्मत करती थीं उन्हें अलग-थलग कर दिया जाता था... और फिर आपको यह ज्ञान दिया जाता था कि अगर आप कुछ कहना चाहते हैं तो कविता लिखें या किताब लिखें।''

प्रधानमंत्री मोदी ने बुलेट ट्रेन परियोजना के अभियंताओं से अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम कर रहे अभियंताओं से अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने को कहा है, जो अन्यत्र इसी तरह की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में उपयोगी होगा। मोदी शनिवार को सूरत में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेलवे (एमएएचएसआर) परियोजना के अभियंताओं और अन्य श्रमिकों के साथ बातचीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यदि परियोजना से प्राप्त अनुभवों को 'एक ब्ल्यू बुक' की तरह दर्ज और संकलित किया जाए तो देश बुलेट ट्रेन के बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को बार-बार प्रयोग करने से बचना चाहिए और इसके बजाय मौजूदा मॉडल से सीखी गई बातों को दोहराना चाहिए।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोहराव तभी सार्थक होगा जब यह स्पष्ट समझ हो कि कुछ कदम क्यों उठाए गए। उन्होंने आगाह किया कि अन्यथा, बिना किसी उद्देश्य या दिशा के दोहराव हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस तरह के रिकॉर्ड रखने से भविष्य के छात्रों को लाभ होगा और राष्ट्र निर्माण में योगदान मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, हम अपना जीवन यहीं समर्पित करेंगे और देश के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ जाएंगे।

मोदी ने परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली, जिसमें गति और समय-सारिणी के लक्ष्यों का पालन भी शामिल था। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि श्रमिकों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परियोजना बिना किसी कठिनाई के सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। केरल की एक इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी स्थित नॉइज बैरियर फैक्ट्री में काम करने का अपना अनुभव साझा किया, जहां सरिया की वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मोदी ने उनसे पूछा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन बनाने के अनुभव को उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कैसा माना और इस ऐतिहासिक उपलब्धि

के बारे में वे अपने परिवारों के साथ क्या साझा करती हैं। उन्होंने देश की पहली बुलेट ट्रेन में योगदान देने पर गर्व व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट और गर्व का क्षण बताया। राष्ट्र सेवा की भावना पर चिंतन करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अपार प्रेरणा का स्रोत बन जाती है।

उन्होंने इसकी तुलना भारत के अंतरिक्ष सफर के साथ करते हुए याद किया कि देश का पहला उपग्रह प्रक्षेपित करने वाले वैज्ञानिकों को कैसा महसूस हुआ होगा और आज सैकड़ों उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं।

बेंगलूरु की एक अन्य कर्मचारी एवं मुख्य इंजीनियरिंग प्रबंधक के रूप में कार्यरत श्रुति ने कठोर डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण प्रक्रियाओं के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि क्रियान्वयन के प्रत्येक चरण में, उनकी टीम फायदे और नुकसान का मूल्यांकन करती है, समाधानों की पहचान करती है और दोषरहित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विकल्पों की खोज करती है।

एमएएचएसआर परियोजना लगभग 508 किलोमीटर लंबी है, जिसमें गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में 352 किलोमीटर और महाराष्ट्र में 156 किलोमीटर शामिल हैं। यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा, जो भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक परिवर्तनकारी कदम है। बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित, इस परियोजना में 465 किलोमीटर (मार्ग का लगभग 85 प्रतिशत) वायडक्ट पर आधारित है, जो न्यूनतम भूमि व्यवधान और बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करता है। बयान में कहा गया है कि अब तक 326 किलोमीटर वायडक्ट का काम पूरा हो चुका है और 25 में से 17 नदी पुलों का निर्माण हो चुका है। पूरा होने पर, बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के समय को लगभग दो घंटे तक कम कर देगी, जिससे अंतर-शहर यात्रा तेज, आसान और अधिक आरामदायक बनकर क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। इस परियोजना से पूरे कॉरिडोर पर व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और क्षेत्रीय विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

अवैध आव्रजन ब्रिटेन में विभाजन पैदा कर रहा है : गृहमंत्री शबाना महमूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने रविवार को कहा कि अवैध आव्रजन ब्रिटेन में विभाजन पैदा कर रहा है और देश को एकजुट करने के वास्ते शरणार्थियों के लिए स्थायी निवास हासिल करने हेतु 20 साल की विस्तारित प्रतीक्षा अवधि जैसे सख्त उपायों की आवश्यकता है। सोमवार को 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में निर्धारित बयान से पहले मीडिया साक्षात्कारों के दौरान, दक्षिण एशियाई विरासत कैबिनेट मंत्री ने इन मुद्दों को देश की चरमराई शरण प्रणाली को सुधारने के लिए एक 'नैतिक मिशन' बताया। इससे पहले की उन खबरों की पुष्टि हुई है कि ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने डेनमार्क की कठोर प्रणाली की तर्ज पर अपनी नवीनतम आव्रजन कार्रवाई की योजना बनायी है।

महमूद ने 'द संडे टाइम्स' से कहा, ''मैं देख सकती हूं - और मुझे पता है कि मेरे सहकर्मी भी देख सकते हैं - कि अवैध प्रवास हमारे देश में विभाजन पैदा कर रहा है। लेबर सरकार के तौर पर हमारा काम अपने देश को एकजुट करना है और अगर हम इसे नहीं सुलझाते हैं, तो मुझे लगता है कि हमारा देश और भी ज़्यादा बंट जाएगा।'' 'स्काई न्यूज' द्वारा यह पूछे जाने

पर कि क्या उनकी कुछ कार्रवाइयों को नस्ली माना जा सकता है, उन्होंने जवाब दिया, मैं इसे पूरी तरह से खारिज करती हूं। मैं प्रवासियों की संतान हूं। मेरे माता-पिता 60 के दशक के अंत और 70 के दशक के आरंभ में कानूनी तौर पर इस देश में आए थे। यह मेरे लिए एक नैतिक मिशन है।'' उन्होंने कहा, ''मैं देख सकती हूं कि अवैध प्रवासन हमारे देश में विभाजन पैदा कर रहा है। मैं देख सकती हूं कि यह देश भर के समुदायों में ध्रुवीकरण पैदा कर रहा है। मैं देख सकती हूं कि यह लोगों को विभाजित कर रहा है और उन्हें एक-दूसरे से अलग कर रहा है। मैं चुपचाप खड़े होकर अपने देश में ऐसा होते नहीं देखना चाहती।'' संसद में महमूद यह घोषणा करने वाली हैं कि ब्रिटेन में शरणार्थी का दर्जा अस्थायी होगा तथा जिनके देश सुरक्षित हो जाएंगे, उन्हें तुरंत उनके देश भेज दिया जाएगा तथा हर 30 महीने में उनकी शरणार्थी स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

तीनों सेनाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा : सीडीएस ने सैन्यबलों के एकीकरण पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक सेवा अपनी ''व्यक्तिगत पहचान'' बनाए रखेगी और उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा। सीडीएस जनरल चौहान ने यहां शनिवार को आयोजित एक संवाद सत्र में हाल में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के उदाहरणों का भी हवाला दिया। इस ऑपरेशन ने तीनों सेनाओं - थलसेना, नौसेना और वायुसेना - के बीच एकजुटता को प्रदर्शित किया। वह रक्षा थिंक-टैंक यूएसआई द्वारा 14 नवंबर एवं 15 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय भारतीय सैन्य विरासत उत्सव में शामिल हुए।

सीडीएस जनरल चौहान ने अपनी नई किताब 'रेडी, रेलेवेंट एंड रिसर्जेंट 2: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स' पर केंद्रित संवाद के दौरान संकेत दिया कि जल्द ही इसका तीसरा खंड भी आएगा जिसमें ऑपरेशन सिंदूर संबंधी विवरण भी होंगे। सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में एकजुटता और एकीकरण हासिल करने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की गई भारत की सैन्य कार्रवाई और इन सटीक हमलों से पहले के दिनों के कुछ उदाहरण दिए। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ढांचों पर सात मई को हमला किया था।

सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि ''एकीकरण के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रयास जारी हैं लेकिन प्रत्येक सेवा अपनी व्यक्तिगत पहचान बनाए रखेगी'' क्योंकि यह हर सेवा की एक विशिष्ट भूमिका होने के कारण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''हम प्रत्येक सेवा से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं... हम लघुत्तम समापवर्तक (एलसीएम) नहीं, बल्कि महत्तम समापवर्त्य (एचसीएफ) अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।''

सीडीएस ने कहा कि ''22 अप्रैल से सात मई की अवधि के दौरान इस बात का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता थी कि हमारी किन संपत्तियों की आवश्यकता है'' जिन्हें पश्चिमी सीमा पर ले जाना था और इसके लिए हवाई मार्ग से काफी आवाजाही की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि यह ''निर्बाध रूप से'' किया गया। सीडीएस ने यह भी रेखांकित किया कि एकीकरण के लिए तीनों सेनाओं के पास सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल (एमआरएसएएम) और ब्रह्मोस जैसे साझा उपकरण हैं। अधिकारी ने बताया कि नौसेना ने भी सीमा पार कुछ हमलों'' में भाग लिया था। सीडीएस ने नियोजित एकीकरण (थियेटराइजेशन) के अनुरूप सेना में ''संयुक्त संस्कृति'' को बढ़ावा देने की भी बात कही।

जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध को समझने में, विशेष रूप से उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों में भौतिक भूगोल के साथ-साथ ''मानव भूगोल'' (मानव समाज और पर्यावरण के बीच के जटिल संबंधों का अध्ययन करने वाली भूगोल की शाखा) भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने साथ ही कहा, ''किसी भी तरह के युद्ध में हम कैसे जीतते हैं? हम विरोधी के खिलाफ विषमताएं पैदा करके जीतते हैं। ये विषमताएं नए क्षेत्रों में पैदा करना आसान है, पुराने क्षेत्रों में नहीं।''

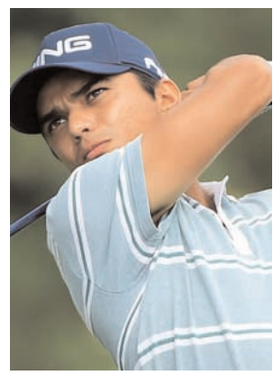

अजीतेश ताइफोंग ओपन गोल्फ में सर्वश्रेष्ठ भारतीय

ताइपे/भाषा। अजीतेश संधू ताइवान ग्लास ताइफोंग ओपन के चौथे और आखिरी दौर में 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 22वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहे। एस चिक्कारंगप्पा (70) संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहे। थाईलैंड के एकफारित वू ने अंतिम दौर में स्थानीय खिलाड़ी हंग चिएन-याओ को दो शॉट से हराकर अपने पदार्पण सत्र में एशियाई टूर पर अपना पहला खिताब जीता। 26 वर्षीय वू ने पार-72 कोर्स पर पांच अंडर-पार 67 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 20 अंडर का रहा। भारत के खालिन जोशी (71) संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे, जबकि विराज मदप्पा (72) संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर रहे। पुखराज सिंह गिल (72) संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहे।

प्रवासियों ने जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बैंक ऑफ इंडिया, पावर ग्रिड कारपोरेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया, इस्पात मंत्रालय के एनएमडीसी द्वारा आयोजित संसदीय बोर्ड बैठक व ओबीसी वेलफेयर बोर्ड कमेटी की बैठक में बेंगलूरु प्रवास पर आए जालोर सिरोही के सांसद लुंबाराम चौधरी का शनिवार को बेंगलूरु के राजस्थानी प्रवासियों द्वारा बेंगलूरु एयरपोर्ट पर सम्मान किया गया।उसी दिन बैठक के पश्चात नेलमंगला में आरएसएस व प्रवासियों द्वारा आयोजित बैठक में सांसद का सम्मान किया गया।इस मौके पर चौधरी ने कहा कि राजस्थान सरकार ने पशु चिकित्सा एवं पशु बीमा योजना लागू की है, उसका सभी पशु पालकों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने उपस्थितजनों से बालिका शिक्षा पर भी ध्यान देने की बात कही। इस मौके पर आँजणा पटेल समाज बेंगलूरु के उपाध्यक्ष व स्टील मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष कलाराम चौधरी, भाजपा युवा कार्यकर्ता हंसमुख पटेल, गोमाराम चौधरी, दिनेश राजपुरोहित, रामदेव सेवा ट्रस्ट मंड्या के अध्यक्ष भीखसिंह राजपुरोहित, मोडसिंह राजपुरोहित मैसूर, जोधाराम चौधरी आदि ने सांसद का सम्मान किया।

आठों कर्म की वजह से जीवात्मा भारी बनती है : वीरेन्द्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम ताना स्ट्रीट स्थानक में विराजित सेवा श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया के जीवन में कभी खुशी और कभी गम मिलता है शुभ कर्म का उदय हो तो खुशी मिलती है तथा अशुभ कर्म का उदय होने पर गम मिलता है। हमारी आत्मा के साथ कर्म दूध और पानी के जैसे मिले हुए हैं। जब तक कर्म आत्मा के साथ चिपके रहेंगे तब तक आपको सिद्धियां नहीं मिलेगी।

आज सबसे अधिक सुख तथा दुख कर्म के उदय के कारण हैं। अगर शुभ कर्म का उदय हैं तो संपत्ति और बाकी के सुख मिलते हैं लेकिन वह सुख संसार को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

वह संपत्ति कर्म बंध का कारण बन जाता है भगवती सूत्र में भगवान महावीर से जयंती श्राविका ने एक प्रश्न पूछा कि आत्मा हल्की होती है या भारी भगवान फरमाते हैं की आत्मा का स्वभाव हल्का होता है परंतु आठों कर्म की वजह से यह जीवात्मा भारी बनती रहती है।

राग और द्वेष के बारे में बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि भरत चक्रवर्ती होकर भी बाहुबली को अपने वश में कर नहीं पाए। भरत चक्रवर्ती सम्राट अवश्य थे परंतु बाहुबली में बाहुबल का कोई मुकाबला नहीं था। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के विनयचन्द पावेचा ने दी।

जैन कॉन्फेन्स कर्नाटक युवा शाखा ने की जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांत के अंतर्गत कर्नाटक युवा शाखा द्वारा जीवदया चेयरमैन दीपक भंडारी एवं को-चेयरमैन किशन बोहरा के नेतृत्व में केंगेरी के कृपा लविंग एनिमल स्थित पशु सेवा केन्द्र में जीवदया का कार्यक्रम आयोजित किया गया । युवा टीम ने पशुओं को भोजन सामग्री दी तथा बीमार एवं असहाय पशुओं की देखभाल में सहायता हेतु धनराशि दी गई। युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रखेंगे। युवा महामंत्री किशोर बाफना जैन ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर अनेक युवा सदस्य उपस्थित थे।

पुस्तक विमोचन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में जैन समाजसेविका, प्रखर वक्ता, सशक्त लेखिका वीणा संतोष बैद के पुत्र मयूख की कविताओं की पुस्तक और का विमोचन शनिवार को शहर के एक कैफ़े में लेखक के माता पिता की उपस्थिति में वयोवृद्ध नानी ने किया। इस अवसर पर युवा लेखक मयूख ने काव्य की तरफ अपने झुकाव की शुरुआत से लेकर पुस्तक प्रकाशन तक की यात्रा का संक्षिप्त वर्णन किया और कुछ पसंदीदा कविताओं का पाठ भी किया। काव्य के प्रति रुचि रखने वाले साहित्यप्रेमियों ने मयूख के प्रयास की सराहना की।

प्रतियोगिता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीजीएस विजयनगर क्रिकेटर्स द्वारा हेगनहली स्थित प्रकाश पादुकोण स्टेडियम में बॉक्स क्रिकेट स्पर्धा 'बीजीएस कन्नड़ राज्योत्सव कप' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

साध्वी हर्षपूर्णाश्री ने हुब्बल्ली की ओर किया विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में सफल चातुर्मास सम्पन्न करके साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने रविवार सुबह हुब्बल्ली की ओर विहार किया।

मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी भी गुरुवर्याश्री को मांगलिक प्रदान कर काफी दूर तक विहार में साथ चले। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने विहार की मंगलकामनाएं दी। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के साध्वियों की विहार सेवा में अक्कीपेट तक विहार किया। अरविन्द कोठारी ने गुरुवर्याश्री के मंगल विहार की कामना की।

ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। विहार की व्यवस्था अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा की वैयावच्च समिति ने संभाली है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में केवल फेरबदल होगा, न कि नेतृत्व परिवर्तन : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को संकेत दिया कि राज्य में केवल मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा, न कि नेतृत्व परिवर्तन।

नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को नयी दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। ऐसी अटकलें हैं कि मंत्रिमंडल में फेरबदल होने की संभावना है।

हालांकि, सिद्धरमैया ने दिल्ली में स्पष्ट किया कि फेरबदल पर नहीं, बल्कि बिहार चुनाव के नतीजों पर चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''कोई चर्चा नहीं हुई, कोई सवाल नहीं, कुछ भी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि किसी को भी कुछ भी करने की जल्दी नहीं है और पार्टी ऐसा निर्णय लेगी जो पार्टी के सर्वोत्तम हित में होगा।

शिवकुमार ने कहा, ''हमारा लक्ष्य केवल 2028 (विधानसभा चुनाव) है, बस इतना ही और इसके अलावा कुछ भी नहीं है।'' कांग्रेस सूत्रों ने दावा किया कि मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा हुई।

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा कि सिद्धरमैया और कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा, ''कहा जा रहा है कि आलाकमान ने फेरबदल की अनुमति दे दी है। मीडिया भी यही कह रहा है और यह बात खुलकर सामने आ रही है। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि नेतृत्व परिवर्तन को लेकर क्या हो रहा है। आमतौर पर, मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान नेतृत्व परिवर्तन नहीं होता है।''

परमेश्वर के मुताबिक, कई लोगों ने मंत्री पद की इच्छा प्रकट की है। उन्होंने कहा, ''अब, फेरबदल की अनुमति मिलने के बाद, मुख्यमंत्री और आलाकमान यह करेंगे। मेरे लिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है।''

राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने भी कहा कि पार्टी आलाकमान और मुख्यमंत्री ही फेरबदल पर निर्णय लेंगे।

जारकीहोली ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''शनिवार को मुख्यमंत्री ने पार्टी आलाकमान से मुलाकात की। आलाकमान के साथ क्या चर्चा हुई, यह केवल उन्हें ही पता है। मंत्रिमंडल में फेरबदल का फैसला उन पर और पार्टी के शीर्ष नेताओं पर छोड़ दिया गया है।''

पूर्व सांसद और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई डी के सुरेश ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने मीडिया में मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में समाचार देखा है।

साध्वी सोमयशा की निश्रा में लोगस्स कल्प अनुष्ठान का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसकोटे। चेन्नई की ओर विहाररत साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में विहार के दौरान होसकोटे में आयोजित लोगस्स कल्प अनुष्ठान में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगस्स को कलयुग का कल्पवृक्ष कहा जाता है। यह स्तुति ग्रंथ शक्तिशाली मंत्रों का संग्रह है। इसकी आराधना से आरोग्य, अंतरदृष्टि और समस्याओं का समाधान मिलता है। चन्द्रमा, सूर्य और सागर के प्रतीक प्रभु का ध्यान करने से निर्मलता, तेजस्विता और गंभीरता का विकास होता है। लोगस्स अनुष्ठान विविध मुद्राओं के साथ करवाया गया, इस अनुष्ठान से अनेक लाभ होता है। जैसे मन की प्रसन्नता, चित्त की निर्मलता, भावों की पवित्रता होती है। साध्वीश्री ने लोगस्स पाठ का विवेचन किया। साध्वीश्री ने गणाधिपति गुरुदेव तुलसी का दीक्षा दिवस पर तुलसी अष्टकम, मौन सामायिक, उपवास आदि की प्रेरणा दी, अनेकों को संकल्प करवाया। साध्वीश्री सरलयशाजी, ऋषिप्रभाजी ने अपने विचार व्यक्त किए।

नेत्र जांच शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजय सम्भव फाउंडेशन द्वारा रविवार को हरलूर रोड स्थित रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स परिसर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जिसमें 300 से अधिक पुलिसकर्मी व स्थानीय लोगों ने भाग लिया। पुलिस बल में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान सुनिश्चित करना इस शिविर का उद्देश्य था। शिविर में प्रतिभागियों की विस्तृत नेत्र जांच की गई और जिन लोगों को दृष्टि-सुधार हेतु चश्मे की आवश्यकता पाई गई, उन्हें नि:शुल्क चश्मे बाद में उपलब्ध कराए जाएंगे। इस शिविर में कमान्डेंट डॉ. रामकृष्ण मुदेपल और डिप्टी कमान्डेंट एम. नगेन्द्र स्वामी का सहयोग प्राप्त हुआ। फाउंडेशन के सदस्यों ने शिविर में सहयोग दिया।

सत्संग और साधना से निर्मल होता है मन : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर जैन संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. वरुणमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्मस्थान का मूल भाव यह है कि मनुष्य अपने मन को धर्ममय बनाए। धन, विद्या, संपत्ति, रूप और पदवी इन सभी से श्रेष्ठ धर्म है, क्योंकि धर्म ही जीवन को दिशा देता है और आत्मा को शांति प्रदान करता है। मुनिश्री ने कहा कि क्षमा और सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने समाजजनों को जागरूक करते हुए कहा कि मंदिरों और धर्मस्थलों को भोजनशाला या मनोरंजन का स्थान न बनाया जाए। ये स्थान साधना, आत्मशुद्धि, आत्मचिंतन और सच्चे उपासना-भाव के लिए निर्मित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्संग और साधना मन की अशुद्धियों को दूर करते हैं। जिस प्रकार वॉशिंग मशीन में कपड़े स्वच्छ होते हैं, उसी तरह सत्संग से जीवन पवित्र होता है। धर्म केवल किसी एक स्थान तक सीमित नहीं, बल्कि जहाँ भी सद्भाव, विनय और सत्य का आचरण हो वहीं धर्म उत्पन्न होता है। मुनिश्री ने कहा कि यदि मनुष्य अपना समय विषय-विकारों, व्यसनों और कुसंगति में व्यतीत करता है, तो उसका जीवन व्यर्थ हो जाता है। लेकिन यदि वही समय सत्संग, सेवा, साधना और सदाचार में लगाया जाए, तो जीवन सफल और कल्याणकारी बन जाता है।

उन्होंने समझाया कि जवानी, धन और समय ये तीनों यदि सही दिशा में लग जाएँ, तो मनुष्य का जीवन दिव्य और सार्थक बन जाता है। दान के संदर्भ में मुनि श्री ने कहा कि दान में किसी प्रकार की कामना नहीं रखनी चाहिए। कामना रहित दान ही सच्चा धर्म है, क्योंकि कामना करने से पुण्य का फल घट जाता है। आज के समय की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोग धर्म को अपनाने के बजाय दिखावा अधिक करने लगे हैं। धर्म पगड़ी के समान है, जिसे सिर पर धारण किया जाना चाहिए और धन जूते के समान है, जिसे पैरों में रखा जाता है। किंतु आज मनुष्य ने उलट कर लिया है-धन को सिर पर और धर्म को नीचे रख दिया है। यदि मनुष्य सच्चे हृदय से धर्म को अपनाए, तो उसकी आत्मा अवश्य कल्याण को प्राप्त करती है। सभा में श्री रूपेश मुनि जी महाराज ने भक्ति रस से ओत-प्रोत एक अत्यंत हृदयस्पर्शी भजन की प्रस्तुति दी। उपप्रवर्तक परम पूज्य श्री पंकज मुनि जी ने मंगलपाठ के साथ धर्मसभा का समापन किया।

चिकित्सा शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की अमर्ट ग्लोबल संस्था द्वारा रविवार को चन्नसांद्रा स्थित श्रीनिवासपुरा की बस्ती में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल बेंगलूरु के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित इस शिविर में बस्ती के अनेक परिवारों ने विभिन्न जांच करवाई तथा संस्था की ओर से नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कुंथुनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के जिनशासन जैन सेवा मंडल व जिनशासन जैन महिला मंडल इरोड के सेवाभावी सदस्यों द्वारा वर्षीतप करने वाले 106 तपस्वियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के युवक मंडल एवं महिला मंडल के साथ राजस्थान संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा भी उपस्थित थे ।

टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल के सदस्यों ने 'स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड' का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ) बेंगलूरु सेंट्रल, फ़्यूचरा विंग ने शनिवार को औद्योगिक दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत किचन एवं होम सॉल्यूशन कंपनी स्टोव क्राफ्ट लिमिटेड' का दौरा किया। इस कम्पनी में पीजन, गिलमा, ब्लेक डेकर आदि प्रतिष्ठित ब्रांड है। 40 एकड़ में फैली इस उद्योग इकाई में लगभग 6 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।टीपीएफ सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। प्रतिभागियों ने परिसर के विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए कच्चे माल का प्रबंधन एवं तैयारी, कंपोनेंट मोल्डिंग एवं डाई प्रक्रिया, स्वचालित असेंबली लाइन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण, इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग तंत्र, पैकेजिंग तकनीक के बारे में जानकारी ली। दौरे के समापन पर कम्पनी की ओर से एक प्रमाण पत्र दिया गया। हेमंत कोठारी एवं पुष्पराज चोपड़ा ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र बांटे। संस्था के संयुक्त सचिव आशीष नाबेड़ा ने धन्यवाद किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com